PLANET NEWS INDIA
Follow us on:/
निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)
01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228
(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)
■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■ अलीगढ, सोमवार ,29 जून 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

Aligarh News: एक जुलाई से खुलेंगे स्कूल, बसों में लगाने होंगे सीसीटीवी कैमरे जीपीएस ट्रैकिंग और पैनिक बटन

एआरटीओ सतेंद्र कुमार ने बताया कि विद्यालय खुलने के बाद परिवहन विभाग द्वारा स्कूल वाहनों की सघन जांच की जाएगी। यदि कोई वाहन बिना फिटनेस, परमिट या अन्य निर्धारित सुरक्षा मानकों के संचालित मिलता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। गंभीर अनियमितता मिलने पर संबंधित विद्यालय की मान्यता समाप्त कराने के लिए भी संस्तुति की जाएगी।

स्कूल खुलने के बाद परिवहन विभाग स्कूल वाहनों की जांच करेगा। यदि कोई वाहन बिना फिटनेस, परमिट या अन्य निर्धारित सुरक्षा मानकों के संचालित मिलता है तो विद्यालय की मान्यता समाप्त कराने के लिए भी संस्तुति की जाएगी। नए शैक्षणिक सत्र के लिए विद्यालय 1 जुलाई से खुलेंगे। इससे पहले स्कूल बसों के परमिट, फिटनेस, बीमा और अन्य सभी आवश्यक दस्तावेजों की जांच होगी। सभी वाहनों में सीसीटीवी कैमरे, जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम, पैनिक बटन, स्पीड गवर्नर, फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशमन यंत्र और इमरजेंसी गेट पूरी तरह कार्यशील स्थिति में होने चाहिए। इस संबंध में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन सत्येंद्र कुमार ने जिले के सभी स्कूल प्रबंधकों, प्रधानाचार्यों और संचालकों को इसके लिए निर्देश जारी कर दिए हैं। इस संबंध में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन सत्येंद्र कुमार ने जिले के सभी स्कूल प्रबंधकों, प्रधानाचार्यों और संचालकों को इसके लिए निर्देश जारी कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल वाहन चालकों और परिचालकों के ड्राइविंग लाइसेंस एवं चरित्र का सत्यापन कराया जाए। वाहनों की तकनीकी जांच कर आवश्यक मरम्मत कराई जाए तथा 15 वर्ष पूरे कर चुके अथवा अनुपयोगी वाहनों को तत्काल संचालन से हटाया जाए।

Aligarh News: नौकरी की तलाश में गुजरात को निकले युवक की ट्रेन से कटकर मौत, सोशल मीडिया के जरिए हुई शिनाख्त

त्रिदेव नौकरी की तलाश में घर से निकले थे। इसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल पाया था। परिवार लगातार उनकी तलाश कर रहा था। एक सोशल मीडिया ग्रुप पर अज्ञात शव की तस्वीर प्रसारित हुई। फोटो देखकर परिजनों ने शव की पहचान की। अतरौली के गांव कासिमपुर गदाईपुर निवासी 28 वर्षीय त्रिदेव कुमार की ट्रेन की चपेट में आने से मृत्यु हो गई। वह घर से नौकरी की तलाश में गुजरात जाने के लिए निकला था। हादसा 25 जून को कलुआ रेलवे स्टेशन के पास हुआ था। पहचान न होने के कारण रेलवे पुलिस ने शव को अज्ञात के रूप में मोर्चरी में रखवा दिया था। सोशल मीडिया के जरिए उसकी शिनाख्त हुई। परिजनों ने बताया है कि 28 जून को रेलवे स्टेशन क्षेत्र में मृतक का बैग और ड्राइविंग लाइसेंस मिला। इसके आधार पर पुलिस ने जानकारी दी। हालांकि, परिवार को उस समय केवल सामान मिलने की सूचना दी गई थी। मृत्यु के बारे में नहीं बताया गया था। परिजनों ने बताया है कि त्रिदेव 22 जून को नौकरी की तलाश में घर से निकले थे।

इसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल पाया था। परिवार लगातार उनकी तलाश कर रहा था। एक सोशल मीडिया ग्रुप पर अज्ञात शव की तस्वीर प्रसारित हुई। फोटो देखकर परिजनों ने शव की पहचान की और तुरंत पुलिस से संपर्क किया। पहचान की पुष्टि होने के बाद रविवार को पोस्टमार्टम किया गया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया। त्रिदेव एमएससी की पढ़ाई पूरी कर चुके थे और रोजगार की तलाश में थे। जीआरपी इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार द्विवेदी ने बताया है कि कपड़े और हुलिए आधार पर युवक की शिनाख्त परिजनों ने कर ली है।

तीन भाइयों में सबसे बड़े थे

त्रिदेव तीन भाइयों में सबसे बड़े थे और अविवाहित थे। उनके छोटे भाई अमित कुमार और सौरव कुमार विवाहित हैं तथा नौकरी करते हैं। उनके पिता प्रमोद कुमार का पहले ही निधन हो चुका है। रविवार को शव गांव पहुंचा तो केपी मिस्त्री, रवेंद्रपाल सिंह, रूप सिंह पहलवान, गेंदालाल वर्मा सहित कई लोग परिजनों को ढाढ़स बंधाने पहुंचे।

Aligarh News: भीषण गर्मी में कटौती से लोग बेहाल, ट्रांसफॉर्मर में लगी आग

भीषण गर्मी के बीच शहर की बिजली व्यवस्था शनिवार रात पूरी तरह लड़खड़ा गई। रात से शुरू हुई ट्रिपिंग और बिजली कटौती का सिलसिला रविवार को पूरे दिन जारी रहा। देहलीगेट क्षेत्र के जंगलगढ़ी इलाके में गर्मी व लोड के चलते ट्रांसफॉर्मर में आग लग गई, जिसे दमकल गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर बुझाया। शहर के रघुवीरपुरी, नगला पटवारी, नगला पला, आदर्श नगर, हनुमानपुरी, अवंतिका फेज-1, प्रकाश नगर, गंभीरपुरा, गूलर रोड, जीवनगढ़, धौर्रा माफी, रावण टीला, स्वर्ण जयंती नगर, खेरेश्वर समेत कई क्षेत्रों में घंटों कटौती से लोग परेशान रहे। उपभोक्ताओं का कहना था कि 10-15 मिनट बिजली आने के बाद फिर आपूर्ति बंद हो जा रही थी। रातभर लोगों की नींद खराब हुई और दिन में भी राहत नहीं मिली। सबसे अधिक परेशानी किला बिजलीघर, पड़ियावली फीडर, क्लॉक टावर, रावण टीला और जमालपुर उपकेंद्र से जुड़े क्षेत्रों से सामने आईंरावण टीला उपकेंद्र पर इनकमिंग वीसीबी में तकनीकी खराबी आने से आपूर्ति ठप रही। अधीक्षण अभियंता शहरी अंशुमान यादव ने बताया कि फॉल्ट व ओवर लोडिंग के चलते समस्या पैदा हुई, जिसे समय रहते दूर कराकर आपूर्ति बहाल करा दी गई।

Aligarh News: दाऊद खां-हरदुआगंज के बीच 16.66 किमी रेलवे फ्लाईओवर का निर्माण शुरू

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के न्यू दाऊद खां स्टेशन से हरदुआगंज स्टेशन तक प्रस्तावित 16.66 किमी के रेलवे फ्लाईओवर का निर्माण शुरू हो गया है। इसका निर्माण डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से मुरादाबाद के जरिये उत्तराखंड-हिमाचल तक को जोड़ने के लिए किया जा रहा है। 1180 करोड़ की अनुमानित लागत वाले इस रेलवे फ्लाईओवर के निर्माण का लक्ष्य 2028 रखा गया है। यह अलीगढ़ जनपद का सबसे लंबा रेलवे फ्लाईओवर होगा। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के खुर्जा-सोननगर मार्ग पर न्यू दाऊद खां स्टेशन बहुत जल्द जंक्शन स्टेशन में तब्दील होगा। इस स्टेशन से सीधे हरदुआगंज स्टेशन को रेल लाइन निकाली जा रही है। यह रेल लाइन हरदुआगंज तक फ्लाईओवर पर ही जाएगी। अब तक पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड साइड से मुरादाबाद के जरिये उत्तराखंड हिमाचल की ओर जाने वाली गुड्स ट्रेनों को अलीगढ़ जंक्शन होकर गुजारा जाता है। इससे यात्री ट्रेनें प्रभावित होती हैं। प्रारंभिक चरण में फ्लाईओवर के पिलर बनाने के लिए बेस बनाने व पिलर स्थापित करना शुरू किया गया है। यह काम गांव अली नगर तक चालू हो गया है।

यात्री ट्रेनों को मिलेगा ये लाभ

अलीगढ़ रेलवे स्टेशन से नई दिल्ली-हावड़ा रेलमार्ग और हरदुआगंज-बरेली-चंदौसी रेलमार्ग गुजरती है। हरदुआगंज-बरेली तक ब्रांच रेल लाइन है। इसी लाइन से हरदुआगंज-बरेली जाने वाली ट्रेनें चलती हैं, जो अलीगढ़ स्टेशन पर नई दिल्ली-हावड़ा मार्ग से जुड़ जाती हैं। जब हरदुआगंज से ट्रेन नई दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर आती है तो लगभग 20-25 मिनट तक नई दिल्ली हावड़ा रेलमार्ग व्यस्त हो जाता है। कई बार ट्रेनों को स्टेशन के आउटर पर रोकना पड़ता है। फ्लाईओवर के बनने से समस्या दूर होगी।

बीस गांवों से होकर गुजरेगा फ्लाईओवर

यह फ्लाईओवर कोल एवं गभाना तहसील के 20 गांवों से होकर गुजरेगा। इसमें कोल के गांव चिरौला, दाऊद खां, पड़ियावली, नगला पानखानी, भदेसी माफी, रहमतपुर गढ़मई, कमालपुर, अली नगर, सिंधौली, बरौला-जाफराबाद, इलियासपुर, महरावल, चुआवली, बरई-सुभानगढ़ी, सिया खास, रठगांव, इमलौठ, छेरत-सुढ़ियाल एवं खेरूपुरा शामिल हैं। गभाना तहसील के गांव जमालपुर सिया और रफीपुर सिया शामिल हैं।

- दाऊद खां हरदुआगंज के बीच रेलवे फ्लाईओवर बनना शुरू हो गया है। इसका लक्ष्य 2028 तक रखा गया है। 1180 करोड़ की लागत के इस फ्लाईओवर के दूरगामी परिणाम अच्छे होंगे। - शशिकांत त्रिपाठी, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, एनसीआर

Aligarh: अपार्टमेंट की पार्किंग में बनाए दो फ्लैट और गेटों पर दुकान, एक लिफ्ट रहती है बंद, लोगों में गुस्सा

निवासियों ने बताया कि लिफ्ट, अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्था तथा अवैध निर्माण को लेकर कई बार अलीगढ़ विकास प्राधिकरण में शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन आज तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। कोई अधिकारी जांच के लिए भी नहीं आया है। बिल्डरों ने अपार्टमेंट में कई अवैध निर्माण किए हैं। इन निर्माणों के खिलाफ अलीगढ़ विकास प्राधिकरण में शिकायतें दर्ज कराई गई हैं, लेकिन प्राधिकरण ने कोई ध्यान नहीं दिया। - गोपाल शंकर शर्मा, एडवोकेट, अध्यक्ष हाउसिंग सोसाइटी

दो लिफ्टों में से केवल एक ही संचालित है। वह भी मानक के अनुसार नहीं है। कभी भी बीच में रुक जाती है। बिल्डरों की इस लापरवाही से निवासियों में भय का माहौल है। अलीगढ़ के गैलेक्सी टावर अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों में भी बिल्डरों के खिलाफ आक्रोश पनपने लगा है। आरोप है कि पार्किंग में दो फ्लैट बना दिए गए। दो गेटों पर दुकानें निकाल दी गईं। एक लिफ्ट हमेशा बंद रहती है। चार माले से ऊपर निर्माण भी कराया जा रहा है। शिकायत करने पर डराया धमकाया जाता है। इसे लेकर रविवार को निवासियों की एक बैठक हुई। इसमें मुख्यमंत्री को शिकायत भेजकर आंदोलन की बात कही गई। बैठक का संचालन अधिवक्ता गोपाल शंकर शर्मा ने किया। बैठक में अपार्टमेंट के संचालन में आ रही विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। उपस्थित निवासियों ने बिल्डरों की लापरवाही और उदासीनता पर गहरा रोष व्यक्त किया।

विशाल हत्याकांड: 'तुम्हारे बेटे को खत्म कर दिया, लाश उठाकर ले जाओ कातिलों ने बाप को फोन पर कहा; फिर मार डाला

यूपी के युवक की हरियाणा में हत्या की गई है। प्रेम-प्रसंग के शक में आरोपियों ने युवक को पीट-पीटकर मार डाला। हत्या से पहले आरोपियों ने युवक के पिता को फोन कर कहा था कि तुम्हारे लड़के को मार डाला है। उसकी लाश उठाकर ले जाओ। युवक का शव सोनीपत के गांव जठेड़ी में खेत में मिला है। सोनीपत जनपद के गांव जठेड़ी में किराए पर रह रहे मेरठ के खरखौदा थाना इलाके के गांव खंदावली निवासी विशाल (26) की प्रेम-प्रसंग के शक में लाठी-डंडों से पीटकर हत्या कर दी गई। उसके पिता का आरोप है कि आरोपी पक्ष ने पहले बेटे को जान से मारने की धमकी दी थी और वारदात के बाद कॉल कर कहा- तुम्हारे लड़के को खत्म कर दिया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर ली है। सोनीपत के थाने राई में गांव खंदावली निवासी शिव कुमार ने प्राथमिकी दर्ज कराई। इसमें बताया कि कि बेटा विशाल राई क्षेत्र स्थित बेसन कंपनी में कार्यरत था। वह गांव जठेड़ी में किराए पर रहता था। उसके पड़ोस में ओमवीर भी परिवार के साथ किराए पर रहता है। दोनों परिवारों के बीच अच्छे संबंध थे। एक-दूसरे के घर आना-जाना भी था। उनका आरोप है कि मार्च से ओमवीर को अपनी पत्नी और विशाल के बीच प्रेम प्रसंग होने का शक हुआ था। इसी बात को लेकर ओमवीर ने कॉल कर उन्हें बेटे विशाल को समझाने की बात कही थी और धमकी दी थी कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो वह विशाल को जान से मार देगा।

तुम्हारे बेटे को खत्म कर दिया है और उसे उठाकर ले जाओ'

विशाल के पीड़ित पिता शिव कुमार ने बताया कि शनिवार रात मोबाइल पर कॉल आई थी। इसमें अनुज उर्फ तनुज बोल रहा था। उन्हें अपने बेटे विशाल की चीखने की आवाज भी सुनाई दे रही थीं। आवाज आई कि तुम्हारे बेटे को खत्म कर दिया है और उसे उठाकर ले जाओ।

विशाल की हत्या के बाद जहां परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट गया, वहीं पिता ने अपनी बेबसी दिखाते हुए बताया कि हत्यारों ने कॉल कर बेटे की हत्या की पूरी घटना परिजनों को सुनाई लेकिन वह बेटे को बचा नहीं सके। विशाल की मौत की खबर के बाद दो बहनें बदहवास हो गईं।

UP: भाजपा और रालोद हमसफर तो हैं पर राह आसान नहीं
पश्चिमी यूपी में गठबंधन मजबूत, लेकिन सीटों पर उलझा गणित

साल 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा और राष्ट्रीय लोकदल के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर अंदरखाने मंथन तेज हो गया है। रालोद अपने राजनीतिक आधार को मजबूत करने के लिए अधिक सीटों पर दावा ठोकना चाहता है जबकि भाजपा अपनी जीती हुई और मजबूत मानी जाने वाली सीटें छोड़ने के पक्ष में नहीं है। सीट बंटवारे पर गठबंधन की असली परीक्षा होगी।भाजपा और रालोद। इन दो सियासी हमसफर के लिए सीट बंटवारे की डगर कठिन नजर आ रही है। दरअसल, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा और रालोद का गठबंधन जितना मजबूत दिखता है, विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही उतना ही सीटों के गणित में उलझता नजर आ रहा है। दोनों दल अपने-अपने सियासी आधार को बचाने और बढ़ाने की रणनीति में जुटे हैं। ऐसे में मेरठ से लेकर बागपत, मुजफ्फरनगर और गाजियाबाद तक सीटों का समीकरण गठबंधन की सबसे बड़ी परीक्षा बन सकता है।वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के साथ ही भाजपा और राष्ट्रीय लोकदल के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर अंदरखाने मंथन तेज हो गया है। दोनों दल गठबंधन के साथ चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं, लेकिन सीटों की हिस्सेदारी को लेकर कई जिलों में पेच फंसना लगभग तय माना जा रहा है।

पश्चिमी यूपी में गठबंधन की असली परीक्षा सीटों के बंटवारे पर

रालोद अपने राजनीतिक आधार को मजबूत करने के लिए अधिक सीटों पर दावा ठोकना चाहता है जबकि भाजपा अपनी जीती हुई और मजबूत मानी जाने वाली सीटें छोड़ने के पक्ष में नहीं है। ऐसे में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गठबंधन की असली परीक्षा सीटों के बंटवारे पर होगी।

मेरठ, बागपत और मुजफ्फरनगर पर सबसे ज्यादा नजर

मेरठ जिले में सिवालखास सीट लगभग रालोद के खाते में मानी जा रही है क्योंकि यहां से गुलाम मोहम्मद पार्टी के विधायक हैं। इसके अलावा रालोद किठौर और सरधना सीट पर भी अपनी दावेदारी पेश कर सकता है। हालांकि भाजपा इन दोनों सीटों को अपने लिए मजबूत मानती है। सरधना से पूर्व विधायक संगीत सोम पार्टी के प्रमुख चेहरों में हैं जबकि किठौर में भाजपा प्रत्याशी सत्यवीर त्यागी पिछला चुनाव मामूली अंतर से हारे थे। ऐसे में इन सीटों पर समझौता आसान नहीं माना जा रहा। बागपत जिले में भी रालोद बागपत, बड़ौत और छपरौली सीटों पर दावा करेगा।

Noida Fire: सेक्टर 119 की सोसायटी में AC फटने से लगी भीषण आग
आसमान में छाया काला धुआं; फ्लैट से उठ रहीं लपटें

नोएडा के सेक्टर-119 की एक सोसाइटी में भीषण आग लग गई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, अरण्या सोसायटी में एसी फटने की वजह से फ्लैट में आग लगी है। आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंच गई है। टीम के लोग आग बुझाने की कोशिश कर रही है।नोएडा के सेक्टर 119 स्थित अरण्या सोसायटी में उस वक्त हड़कंप

मच गया जब एक फ्लैट के अंदर लगे एसी में अचानक विस्फोट हुआ और देखते ही देखते आग की लपटें पूरे फ्लैट में फैल गईं। आग की ऊंची लपटों और उससे उठते घने काले धुएं के कारण आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग को तुरंत सूचित किया गया।

घटनास्थल पर दमकल विभाग की छह गाड़ियां तुरंत पहुंच गईं और आग पर काबू पाने के लिए मशक्कत शुरू कर दी। सेक्टर 113 थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली इस सोसायटी में आग लगने से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग की भीषणता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया।हालांकि, शुरुआती जानकारी के अनुसार, आग पर काबू पाने के लिए दमकल कर्मी पूरी तत्परता से जुटे हुए हैं। इस घटना के कारण किसी के हताहत होने की तत्काल कोई सूचना नहीं है, लेकिन फ्लैट को भारी नुकसान पहुंचने की आशंका है।दमकल विभाग के मुताबिक, थाना सेक्टर-113 क्षेत्रांतर्गत सेक्टर-119 स्थित अरण्य सोसाइटी के 21वें फ्लोर में स्थित फ्लेट में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। प्राप्त सूचना पर त्वरित कार्यवाई करते हुए फायर सर्विस यूनिट की छह गाड़ियां मौके पर मौजूद है। सीएफओ गौतमबुद्धनगर व स्थानीय पुलिस भी मौके पर मौजूद है। आग बुझाई जा रही है। अभी तक की जानकारी मै कोई फंसा नहीं है, कोई जनहानि नही है।

UP: पोखरे के किनारे पानी में मिला किशोर का शव,
परिजनों का आरोप-'ये हत्या है'- गले पर चोट का निशान

वॉल्टरगंज थाना क्षेत्र के भैंसानाथ मंदिर के पास स्थित पोखरे के किनारे पानी में एक किशोर का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान महदो गांव निवासी 16 वर्षीय विनय गौड पुत्र उदय राज गौड के रूप में हुई। स्थानीय लोगों की सूचना पर वॉल्टरगंज पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पानी से बाहर निकलवाया।वॉल्टरगंज थाना क्षेत्र के महदो निवासी विनय गौड(16) पुत्र उदय राज गौड का शव भैंसानाथ मंदिर के समीप स्थित पोखरे के किनारे पानी में मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेजने हेतु विधिक कार्रवाई करते हुए जांच शुरू कर दी है। गले पर चोट के निशान मिलने से हत्या की आशंका जताई जा रही है।रविवार को वॉल्टरगंज थाना क्षेत्र के भैंसानाथ मंदिर के पास स्थित पोखरे के किनारे पानी में एक किशोर का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान महदो गांव निवासी विनय के रूप में हुई। स्थानीय लोगों की सूचना पर वॉल्टरगंज पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पानी से बाहर निकलवाया।घटना की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए हैं। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और विनय की मौत के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

इंदौर हाशिए पर: मेट्रोपॉलिटन सिटी बनने से पहले मास्टर प्लान पर ब्रेक,
बढ़ रही अवैध बसाहट; विकास भी प्रभावित

इंदौर का नया मास्टर प्लान पिछले पांच वर्षों से लंबित है, जिससे शहर में अव्यवस्थित विकास और अवैध बसाहट बढ़ रही है। मेट्रोपॉलिटन सिटी की अधिसूचना के बाद वर्ष 2035 को ध्यान में रखकर नया मास्टर प्लान तैयार होगा। इंदौर शहर को सरकार महानगर बनाने की कवायद में जुटी है, लेकिन अभी तक इंदौर का मास्टर प्लान ही जारी नहीं हो सका। पिछले पांच वर्षों से नए मास्टर प्लान के बिना ही इंदौर फैल रहा है। इसके कारण शहरी सीमा से जुड़े इलाकों में बेतरतीब विकास हो रहा है। इंदौर का मास्टर प्लान मेट्रोपॉलिटन सिटी के चक्कर में ही अटका हुआ है।

अब तक प्रारूप ही प्रकाशित नहीं

अब माना जा रहा है कि मेट्रोपॉलिटन सिटी की अधिसूचना जारी होने के बाद मास्टर प्लान तैयार करने की शुरुआत हो सकती है। इसे लागू होने में दो से तीन साल का समय लग सकता है। खास बात यह है कि नया मास्टर प्लान वर्ष 2035 को ध्यान में रखकर बनाया जाना है, लेकिन इसे तैयार करने में ही नगर तथा ग्राम निवेश विभाग ने पांच साल लगा दिए। अभी तक इसका प्रारूप भी प्रकाशित नहीं हो पाया है।

तेजी से बढ़ रही अवैध बसाहट

सामाजिक संगठन इंदौर उत्थान के पदाधिकारियों ने इंदौर के लिए देश का सर्वश्रेष्ठ मास्टर प्लान बनाने की मांग उठाई है, लेकिन अभी तक नया मास्टर प्लान तैयार नहीं हो पाया। इंदौर में प्रदेश की दूसरी इन्वेस्टर्स समिट वर्ष 2008 में हुई थी। उसी दौरान मास्टर प्लान लागू किया गया था। इसकी मियाद पांच साल पहले ही समाप्त हो चुकी है। नियमानुसार नया मास्टर प्लान लागू हो जाना चाहिए था, लेकिन अभी तक इसका कोई अता-पता नहीं है। इस बीच शहर की सीमा से लगे क्षेत्रों में अवैध बसाहट तेजी से बढ़ रही है। नए मास्टर प्लान के तहत शहर के 79 गांवों को शामिल करने की अधिसूचना जारी की गई है। इन क्षेत्रों में निर्माण कार्यों की अनुमति भी फिलहाल नहीं मिल पा रही है।

विधानसभा में भी उठ चुका है मुद्दा

इंदौर और भोपाल के मास्टर प्लान में हो रही देरी का मुद्दा विधानसभा में भी उठ चुका है। विस में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सवाल किया था कि इंदौर और भोपाल का मास्टर प्लान क्या बैलगाड़ी में आ रहा है? इसके जवाब में नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा था कि मास्टर प्लान जल्द ही लागू कर दिया जाएगा।

पुराना मास्टर प्लान 60 प्रतिशत भी लागू नहीं

इंदौर में पिछला मास्टर प्लान 1 जनवरी 2008 को लागू किया गया था। इसे विकास योजना-2021 नाम दिया गया था। यह योजना 13 वर्षों के लिए बनाई गई थी, लेकिन 18 साल बाद भी पूरी तरह जमीन पर नहीं उतर सकी। मास्टर प्लान का 90 प्रतिशत कार्य भी पूरा नहीं हो पाया। शहर में न तो प्रस्तावित सभी सिटी फॉरेस्ट बन पाए और न ही सभी प्रमुख मार्ग पूरे हो सके। एमआर-3 और एमआर-4 आज भी अधूरे हैं, जबकि एमआर-11 और एमआर-12 का निर्माण भी पूरी तरह नहीं हो पाया है।

यूपी: बिजली उपभोक्ताओं के लिए खुशखबरी
जुलाई से घट सकता है टैरिफ; बदलेगा अधिभार गणना का तरीका

यूपी के बिजली उपभोक्ताओं के लिए अच्छी खबर है। प्रदेश में बिजली दर निर्धारण के लिए जुलाई के पहले सप्ताह में नए टैरिफ की घोषणा हो सकती है।

प्रदेश में बिजली दर निर्धारण के लिए जुलाई के पहले सप्ताह में नए टैरिफ की घोषणा हो सकती है। इसमें उपभोक्ताओं को कई तरह की सहूलियतें मिल सकती हैं। इसके तहत स्मार्ट मीटर का खर्चा उपभोक्ताओं के बजाय बिजली कंपनियों पर डाला जा सकता है। स्मार्ट मीटर के प्रति लोगों का भरोसा बढ़ाने के लिए पारदर्शिता को लेकर स्पष्ट गाइडलाइन पर भी विचार चल रहा है। साथ ही 1912 पर आने वाली शिकायतों के निस्तारण में हीलाहवाली पर सख्त नियम लागू होंगे।प्रदेश की सभी बिजली कंपनियों की ओर से पॉवर कार्पोरेशन ने वर्ष 2024–25 के ट्रू-अप में लगभग 3995 करोड़ तथा वर्ष 2026–27 के लिए लगभग 12453 करोड़ का राजस्व अंतर बताया है। कुल लगभग 16,448 करोड़ के अंतर को आधार बनाकर बिजली दरों में वृद्धि की मांग की है। विद्युत नियामक आयोग सभी बिजली कंपनियों की जनसुनवाई कर चुका है। राज्य सलाहकार समिति की बैठक होने के बाद उम्मीद है कि जुलाई के पहले सप्ताह में बिजली दरें जारी हो जाएंगी। नियामक आयोग के सूत्रों के अनुसार बिजली दरें नहीं बढ़ेंगी। साथ ही उपभोक्ताओं को कई तरह की रियायतों की भी घोषणा हो सकती है। घरों में दुकान खोलने के लिए वाणिज्यिक कनेक्शन लेना पड़ता है। इसमें भी रियायत मिलने की उम्मीद है। इसी तरह स्मार्ट मीटर के साथ अभी तक पांच फीसदी चेक मीटर लगाए जा रहे हैं। ताकि पता चल सके कि स्मार्ट मीटर तेज तो नहीं चल रहा है। पावर कार्पोरेशन की ओर से इसके आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए जाते हैं। ऐसे में नियामक आयोग इस मामले में भी नई गाइडलाइन की घोषणा कर सकता है। पावर कार्पोरेशन की दलील है कि कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ताओं से स्मार्ट मीटर का खर्चा लिया जाए। इसके लिए वह 3838 करोड़ रुपये टैरिफ में डालने की मांग कर रहा है। यह मांग खारिज हो सकती है। इसी तरह बहुमंजिला इमारतों में कनेक्शन के लिए नियमों में बदलाव पर भी विचार चल रहा है।

जुलाई में ईंधन अधिभार की गणना का बदलेगा तरीका

प्रदेश में जुलाई में ईंधन अधिभार की गणना नए मानकों के आधार पर होगी। इससे उपभोक्ताओं को सर्वाधिक फायदा मिलने की उम्मीद है। दरअसल, विद्युत नियामक आयोग ने पॉवर कॉर्पोरेशन के ईंधन और बिजली खरीद लागत समायोजन (एफपीपीसीए) पर कड़ा रुख अपनाया है। आयोग ने पॉवर कॉर्पोरेशन को पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और नियमानुसार लागू करने के निर्देश दिए हैं। बीते 14 माह से जिस आधार पर गणना हो रही थी, उसे नियामक आयोग ने गलत साबित किया है। ऐसे में जुलाई के ईंधन अधिभार की गणना नए तरीके से की जाएगी। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने बताया कि परिषद के लोक महत्व प्रस्ताव पर सुनवाई करते हुए आयोग ने ईंधन अधिभार की गणना के तरीके को गलत करार दिया है। वर्मा ने कहा, 14 माह से गलत तरीके से गणना होने से उपभोक्ताओं से करीब 2000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वसूली की गई है। अब परिषद ने इस राशि को वापस दिलाने के लिए भी आयोग में लोकमहत्व प्रस्ताव दाखिल किया है।

बिजली बिल जमा करने की अंतिम तिथि आज तक

पॉवर कॉरपोरेशन ने स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के जून 2026 के बिजली बिल के भुगतान की अंतिम तिथि बढ़ाकर 29 जून कर दी है। ये बिल पोस्टपेड आधार पर तैयार किए गए हैं। बिल की जानकारी उपभोक्ताओं को एसएमएस और मेसेजिंग एप के माध्यम से भेजी गई है। यदि किसी उपभोक्ता को बिल प्राप्त नहीं हुआ है, तो वह अपनी खाता संख्या या कनेक्शन संख्या दर्ज कर संबंधित डिस्कॉम की स्वचालित संवाद प्रणाली से बिल प्राप्त कर सकता है। इसके अलावा, उपभोक्ता 1912 हेल्पलाइन पर कॉल कर भी अपने बिजली बिल से संबंधित जानकारी हासिल कर सकते हैं।

Delhi Fire: केशव पुरम में चार मंजिला इमारत में आग,
छत पर फंसे तीन लोग बचाए गए

उत्तर-पश्चिम दिल्ली के केशव पुरम इलाके में सोमवार तड़के एक चार मंजिला इमारत में आग लग गई। आग भूतल पर स्थित बिजली के मीटरों से शुरू हुई। आग लगते ही इमारत में धुआं फैल गया। जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। अंदर फंसे कुछ लोग किसी तरह इमारत से बाहर निकले। वहीं कुछ लोग जान बचाने के लिए छत की ओर भागे। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और दमकल कर्मियों ने राहत बचाव अभियान चलाकर छत पर फंसे तीन लोगों को बाहर निकाला।

दमकल विभाग के मुताबिक विभाग को रात 2.03 बजे आग लगने की जानकारी मिली। मौके पर तुरंत दो वॉटर टेंडर, दो वॉटर बाउजर और एक क्विक रिस्पॉन्स गाड़ी भेजी गई। दमकल कर्मियों ने छत पर फंसे तीन लोगों गौरव (28), कायरा (25) और इंदु बत्रा (55) को सुरक्षित नीचे उतार लिया। घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। अधिकारियों के मुताबिक शुरुआती जांच में पता चला कि आग भूतल पर स्थित बिजली के मीटर में शॉर्ट सर्किट से लगी थी, इसमें 24 इलेक्ट्रिक मीटर जलकर राख हो गए।

Supreme Court: राम मंदिर चंदा विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- ऐसी जल्दबाजी क्यों? जल्द सुनवाई की अपील खारिज

राम मंदिर चंदा विवाद को लेकर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। अदालत ने याचिकाकर्ता से पूछा कि मामले में इतनी जल्दबाजी क्यों है। याचिका में राम मंदिर को मिले चंदे में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच की मांग की गई है। फिलहाल उत्तर प्रदेश सरकार की एसआईटी मामले की जांच कर रही है। आइए, विस्तार से मामले को समझते हैं...

अयोध्या के राम मंदिर में श्रद्धालुओं से मिले चंदे में कथित गड़बड़ी के आरोपों को लेकर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता से सवाल किया कि आखिर इस मामले में इतनी जल्दबाजी क्यों है। अदालत ने कहा कि अवकाश समाप्त होने के बाद मामले को सूचीबद्ध किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद राम मंदिर ट्रस्ट, चंदे के इस्तेमाल और जांच की मांग को लेकर चल रही बहस एक बार फिर चर्चा में आ गई है। न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति शील नागू की पीठ के समक्ष याचिकाकर्ता ने राम मंदिर में मिले चंदे के कथित गबन की जांच के लिए सीबीआई के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने की मांग वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई की अपील की। याचिकाकर्ता ने कहा कि आरोप बेहद गंभीर हैं और राज्य सरकार जिस तरह से मामले को संभाल रही है, उससे संदेह पैदा हो रहा है। इस पर न्यायमूर्ति सुंदरेश ने पूछा, "इस मामले में इतनी जल्दबाजी क्या है?" अदालत ने अंततः कहा कि अदालत दोबारा खुलने के बाद मामले को सूचीबद्ध किया जाएगा।

क्या है पूरा राम मंदिर चंदा विवाद?

याचिका में आरोप लगाया गया है कि अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कामकाज और मंदिर को मिले चंदे के उपयोग में कथित वित्तीय अनियमितताएं हुई हैं। याचिकाकर्ताओं ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष, समयबद्ध और पेशेवर जांच कराई जाए। याचिका में यह भी कहा गया है कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और दानदाताओं के विश्वास को बनाए रखने के लिए पारदर्शी जांच जरूरी है। हालांकि, अभी तक इन आरोपों पर कोई न्यायिक निष्कर्ष नहीं निकला है।

याचिका में केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार से क्या मांग की गई है?

याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट से केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को निर्देश देने की मांग की है कि वे सार्वजनिक हित की रक्षा के लिए निगरानी, ऑडिट और पर्यवेक्षण की प्रभावी व्यवस्था लागू करें। याचिका में कहा गया है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह मामला केवल वित्तीय अनियमितता का नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं और विश्वास से भी जुड़ा है।

क्या पहले से चल रही है किसी जांच की प्रक्रिया?

उत्तर प्रदेश सरकार ने 13 जून को मंदिर ट्रस्ट के अनुरोध पर एक एसआईटी का गठन किया था। इस एसआईटी में लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, पुलिस महानिरीक्षक किरण एस और वित्त विभाग के विशेष सचिव नील रतन को शामिल किया गया है। यह जांच कथित वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की पड़ताल कर रही है। हालांकि, याचिकाकर्ताओं का कहना है कि एसआईटी ने बिना एफआईआर दर्ज किए जांच शुरू की है, जिससे निष्पक्षता को लेकर सवाल उठते हैं।

याचिकाकर्ता सीबीआई जांच की मांग क्यों कर रहे हैं?

याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि यह मामला जटिल वित्तीय लेन-देन और संभावित आपराधिक पहलुओं से जुड़ा है। ऐसे में प्रशासनिक अधिकारियों की एसआईटी के बजाय सीबीआई के नेतृत्व में बहु-विषयक जांच दल जांच करे, जिससे जनता का भरोसा मजबूत हो सके। याचिका में कहा गया है कि एक पेशेवर और स्वतंत्र एजेंसी की जांच से तथ्यों की निष्पक्ष पड़ताल हो सकेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल क्या कहा है?

सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल मामले की मेरिट पर कोई टिप्पणी नहीं की है। अदालत ने केवल तत्काल सुनवाई की मांग पर सवाल उठाते हुए कहा कि मामले को अदालत के दोबारा खुलने के बाद सूचीबद्ध किया जाएगा। अब सभी की नजर इस बात पर है कि जब यह याचिका नियमित सुनवाई के लिए आएगी, तब अदालत इस मामले में क्या रुख अपनाती है।

West Bengal UCC Bill:बंगाल में UCC बिल पेश होने से पहले सुकांता मजूमदार ने दिया विपक्ष को ये जवाब!

सुकांता मजूमदार ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने चुनावी संकल्प पत्र में स्पष्ट रूप से वादा किया था कि सत्ता में आने के बाद समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे और केंद्र सरकार उसी वादे के अनुरूप काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा की राजनीति केवल घोषणाएं करने तक सीमित नहीं है, बल्कि पार्टी अपने चुनावी वादों को धरातल पर उतारने का प्रयास कर रही है। मजूमदार ने कहा कि शुभेंदु अधिकारी ने राज्य में कथित "लव जिहाद" और "लैंड जिहाद" जैसे मुद्दों को उठाया है तथा इन विषयों पर गंभीरता से चर्चा की है। उन्होंने यह भी कहा कि नरेंद्र मोदी भी देश में बदलती जनसांख्यिकी को लेकर चिंता जता चुके हैं और सरकार इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए नीतिगत स्तर पर काम कर रही है। मजूमदार के अनुसार, पश्चिम बंगाल में इन मुद्दों पर प्रभावी कदम उठाना राज्य के हित में होगा और इससे कानून व्यवस्था तथा सामाजिक संतुलन को मजबूती मिलेगी।

सुकांता मजूमदार ने आगे कहा कि भारतीय संविधान सभी नागरिकों को समान अधिकार देने की बात करता है और उसमें स्पष्ट रूप से उल्लेख है कि किसी भी नागरिक के साथ धर्म, जाति, वर्ण या अन्य आधार पर भेदभाव नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में अलग-अलग समुदायों के लिए अलग-अलग पर्सनल लॉ लागू हैं, जिससे समानता के सिद्धांत पर प्रश्न उठते हैं। उनके अनुसार, एक ही देश में रहने वाले दो नागरिकों के लिए अलग-अलग कानून नहीं होने चाहिए और समान नागरिक संहिता का उद्देश्य सभी नागरिकों के लिए एक समान कानूनी व्यवस्था सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि सरकार का मानना है कि यूसीसी लागू होने से समान अधिकारों और न्याय के संवैधानिक सिद्धांत को और मजबूती मिलेगी। हालांकि, समान नागरिक संहिता का मुद्दा लंबे समय से राजनीतिक और कानूनी बहस का विषय रहा है। इसके समर्थक कहते हैं कि यह संविधान में निहित समानता के सिद्धांत को लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानते हैं, जबकि इसके विरोधी विभिन्न धार्मिक समुदायों के पर्सनल लॉ और सांस्कृतिक अधिकारों पर संभावित प्रभाव को लेकर चिंता व्यक्त करते रहे हैं। ऐसे में यूसीसी को लेकर देश में राजनीतिक चर्चा और वैचारिक मतभेद लगातार जारी हैं।

Op Sindoor: कांग्रेस ने मांगा रक्षा मंत्री का इस्तीफा, बलिदानी सपूतों पर क्या बोले कर्नाटक के पार्टी अध्यक्ष?

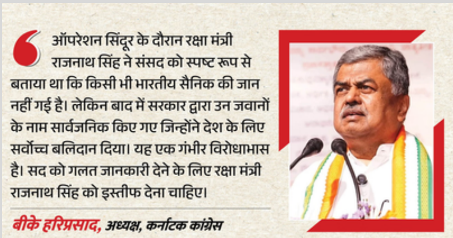

Operation Sindoor Controversy: ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए छह जवानों के नाम राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर अंकित होने के बाद राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद ने आरोप लगाया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद में कहा था कि अभियान में कोई सैनिक शहीद नहीं हुआ, जबकि बाद में छह जवानों के बलिदान की पुष्टि हुई। उन्होंने इसे संसद को गुमराह करने का मामला बताते हुए रक्षा मंत्री के इस्तीफ़े की मांग की। कर्नाटक कांग्रेस के प्रदेश वरिष्ठ नेता बीके हरिप्रसाद ने सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए भारतीय सैनिकों के मुद्दे पर संसद को गुमराह किया।

यह विवाद उन छह जवानों के नाम हाल ही में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक (नेशनल वॉर मेमोरियल) पर अंकित किए जाने के बाद सामने आया है, जिन्होंने ऑपरेशन के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया था।

संसद में दिए गए बयान पर उठाए सवाल

सोशल मीडिया एक्स पर किए गए अपने पोस्ट में हरिप्रसाद ने वर्ष 2025 में संसद में दिए गए राजनाथ सिंह के बयान का हवाला दिया। उनका दावा है कि रक्षा मंत्री ने सदन में स्पष्ट रूप से कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किसी भी भारतीय सैनिक की मृत्यु नहीं हुई थी। लेकिन बाद में छह शहीद जवानों के नाम सामने आने से सरकार का यह दावा सवालों के घेरे में आ गया।

'सच्चाई छिपाई गई तो जवाबदेही तय हो'

हरिप्रसाद ने अपने पोस्ट में लिखा, 'रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद को स्पष्ट रूप से बताया था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किसी भी भारतीय सैनिक की जान नहीं गई। लेकिन बाद में भाजपा सरकार द्वारा उन जवानों के नाम सार्वजनिक किए गए जिन्होंने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। यह एक गंभीर विरोधाभास है। यदि राष्ट्रीय महत्व के इतने गंभीर विषय पर संसद को गुमराह किया गया है, तो इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। संसद को गलत जानकारी देने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को इस्तीफा देना चाहिए। हमारे शहीद सत्य, ईमानदारी और सम्मान के हकदार हैं, न कि विरोधाभासी बयानों के।'

नेशनल वॉर मेमोरियल पर दर्ज हुए छह शहीदों के नाम

मई 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ चार दिनों तक चले ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए भारतीय सशस्त्र बलों के छह जवानों के नाम अब नई दिल्ली स्थित नेशनल वॉर मेमोरियल पर अंकित किए गए हैं। इसके बाद इस मुद्दे ने राजनीतिक रंग ले लिया।

रक्षा मंत्रालय ने आरोपों को बताया भ्रामक

विवाद बढ़ने पर रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में सर्वोच्च बलिदान देने वाले सभी छह जवानों को देश ने पहली उपलब्ध अवसर पर ही सम्मानित किया था। मंत्रालय ने उन दावों को पूरी तरह खारिज किया, जिनमें कहा गया था कि उनके बलिदान को हाल ही में पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया गया।

11 मई को ही दी गई थी श्रद्धांजलि

रक्षा मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि मीडिया और सोशल मीडिया के कुछ वर्गों में ऐसी भ्रामक खबरें प्रसारित की गईं कि इन छह जवानों के बलिदान को हाल ही में पहली बार मान्यता मिली। मंत्रालय के अनुसार, 11 मई 2025 को आयोजित आधिकारिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में तत्कालीन डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन्स (DGMO) ने इन सभी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की थी और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उनके सर्वोच्च बलिदान का विशेष रूप से उल्लेख किया था।

बंगलूरू में दिनदहाड़े हत्या से दहशत: सड़क पर दौड़ाकर युवक को काट डाला, क्या पुरानी दुश्मनी बनी मौत की वजह?

Bengaluru Murder: बंगलूरू के जेपी नगर इलाके में रविवार शाम आपराधिक पृष्ठभूमि वाले राजा उर्फ हलमुख राजा की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई। तीन हमलावरों ने सड़क पर पीछा कर धारदार हथियारों से उस पर हमला किया। घटना सीसीटीवी में कैद हुई है। पुलिस को आशंका है कि हत्या के पीछे पुरानी गैंगवार और वर्षों पुरानी दुश्मनी का हाथ हो सकता है। फिलहाल आरोपियों की तलाश जारी है। आइए, विस्तार से मामले को विस्तार से समझते हैं...

बंगलूरू में दिनदहाड़े हुई एक सनसनीखेज हत्या ने कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। शहर के व्यस्त जेपी नगर इलाके में रविवार शाम एक आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति की सरेआम धारदार हथियारों से हत्या कर दी गई। हमलावरों ने पहले युवक का रास्ता रोका, फिर सड़क पर उसका पीछा किया और लोगों के सामने ही उस पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसने इलाके में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। मृतक की पहचान राजा उर्फ हलमुख राजा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी एक व्यावसायिक नंबर प्लेट लगी कार में आए थे। उन्होंने जेपी नगर के आईजी सर्किल के पास राजा को घेर लिया। जान बचाने के लिए राजा सड़क पर भागने लगा, लेकिन तीन हमलावरों ने उसका पीछा किया और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल राजा को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

क्या सीसीटीवी में कैद हुई पूरी वारदात?

पुलिस के हाथ घटना का सीसीटीवी फुटेज लगा है। फुटेज में दिखाई दे रहा है कि राजा जान बचाने के लिए सड़क पर भाग रहा है, जबकि हमलावर उसका पीछा कर रहे हैं। कुछ ही सेकंड में आरोपी उसे पकड़ लेते हैं और उस पर कई बार धारदार हथियार से हमला करते हैं। चौंकाने वाली बात यह रही कि राजा के सड़क पर गिर जाने के बाद भी हमलावर उस पर लगातार वार करते रहे। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी उसी कार से मौके से फरार हो गए।

क्या लोगों के सामने हुई हत्या, लेकिन कोई बचाने नहीं आया?

यह हमला शहर की एक व्यस्त सड़क पर हुआ। घटना के समय आसपास कई लोग और वाहन मौजूद थे, लेकिन हमलावरों के हाथों में धारदार हथियार देखकर लोग डर गए। कई लोग मौके से भाग गए, जबकि कुछ वाहन चालक बिना रुके वहां से निकल गए। पुलिस का कहना है कि वारदात इतनी तेजी से हुई कि किसी को हस्तक्षेप करने का मौका नहीं मिला। घटना के बाद जेपी नगर पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

क्या पुरानी गैंगवार और दुश्मनी हत्या की वजह बनी?

पुलिस शुरुआती जांच में इस हत्या को पुरानी गैंगवार और दुश्मनी से जोड़कर देख रही है। राजा के खिलाफ पहले से हत्या, हत्या के प्रयास और लूट जैसे कई आपराधिक मामले दर्ज थे। जांच एजेंसियां इस बात की पड़ताल कर रही हैं कि क्या यह हत्या करीब एक दशक पहले हुए कुख्यात अपराधी 'स्टैंड कुट्टी' उर्फ कुट्टी की हत्या का बदला है। उस मामले में राजा आरोपी था। पुलिस का मानना है कि वर्षों पुरानी रंजिश इस हत्या की मुख्य वजह हो सकती है।

क्या आपराधिक गिरोहों से जुड़े थे राजा के संबंध?

पुलिस सूत्रों के अनुसार, राजा पहले परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल में बंद रह चुका था। जेल में उसका संपर्क कई कुख्यात अपराधियों से हुआ था। जांच में यह भी सामने आया है कि उसका नाम दक्षिण बंगलूरू के अपराधी अरसप्पा गिरोह से जुड़ा रहा है। इसके अलावा वह सुब्रमण्यपुरा डबल मर्डर केस में भी संदिग्धों के संपर्क में था। पुलिस अब राजा के आपराधिक नेटवर्क, पुराने विवादों और हाल के संपर्कों की गहन जांच कर रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित की गई हैं।

France Plane Crash: फ्रांस में 'स्काइडाइविंग' विमान कैसे हुआ क्रैश?Skydiving Plane Crashed in France

फ्रांस से एक दर्दनाक विमान हादसे की खबर सामने आई है। पूर्वी फ्रांस के टॉम्ब्लेन शहर के पास स्काईडाइवर्स को लेकर उड़ान भर रहा एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में पायलट समेत 11 लोगों की मौत हो गई। हादसे में जान गंवाने वाले अधिकांश लोग पहली बार स्काइडाइविंग का अनुभव लेने जा रहे थे। घटना के बाद पूरे इलाके में राहत और बचाव अभियान चलाया गया, जबकि हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। यह हादसा पूर्वी फ्रांस के टॉम्ब्लेन शहर के पास नैंसी क्षेत्र में हुआ, जहां स्काईडाइविंग के लिए उड़ान भर रहा एक विमान अचानक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल और आपातकालीन चिकित्सा टीमें मौके पर पहुंच गईं। दुर्घटनास्थल को तुरंत घेर लिया गया और बचाव अभियान शुरू किया गया। स्थानीय प्रशासन ने आसपास के लोगों से घटनास्थल से दूर रहने की अपील की, ताकि राहत और जांच कार्य में किसी तरह की बाधा न आए। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, हादसे का शिकार हुआ विमान एक पैराशूटिंग प्रशिक्षण संस्थान का था। विमान में पायलट के अलावा 10 लोग सवार थे, जिनमें पांच छात्र और पांच प्रशिक्षक शामिल थे।

अधिकारियों ने पुष्टि की है कि हादसे में सभी 11 लोगों की मौत हो गई। क्षेत्रीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मरने वालों में कई नर्स भी शामिल थीं, जो पहली बार स्काइडाइविंग का रोमांचक अनुभव लेने जा रही थीं। लेकिन यह सफर उनकी जिंदगी का आखिरी सफर साबित हुआ। हादसे के बाद ऑर्डर ऑफ इंडिपेंडेंट नर्सेज की म्यूरथ-ए-मोसेल शाखा के अध्यक्ष थियरी पेशे भी घटनास्थल पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। इस दुर्घटना ने स्थानीय समुदाय को गहरे सदमे में डाल दिया है। मृतकों के परिजनों को सूचना दी जा रही है और प्रशासन उनकी हरसंभव सहायता में जुटा है। फिलहाल विमान दुर्घटना की असली वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। जांच एजेंसियां इस बात का पता लगाने में जुटी हैं कि हादसा

तकनीकी खराबी, खराब मौसम या किसी अन्य कारण से हुआ। विमान के मलबे को कब्जे में लेकर फोरेंसिक और विमानन विशेषज्ञों की टीम जांच कर रही है। फ्रांस के गृह मंत्री भी घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं और पूरे मामले की निगरानी कर रहे हैं। क्षेत्रीय प्रसारक फ्रांस 3 ग्रैंड एस्ट के मुताबिक, शुरुआती रिपोर्टों के बाद भी जांच जारी है और अधिकारियों की ओर से विस्तृत जानकारी का इंतजार किया जा रहा है। पुलिस ने लोगों से सल्वाडोर अलेंदे स्ट्रीट और आसपास के इलाके में नहीं जाने की अपील की है, ताकि जांच और राहत कार्य बिना किसी रुकावट के जारी रह सकें। फ्रांस का यह विमान हादसा हाल के वर्षों की सबसे गंभीर विमान दुर्घटनाओं में गिना जा रहा है।

आदित्य सील और अनुष्का रंजन ने साझा की 'गोद भराई' की तस्वीरें जल्द ही माता-पिता बनने वाला है यह बॉलीवुड कपल

Aditya Seal Anushka Ranjan Godh Bharai Ceremony: आदित्य सील और अनुष्का रंजन शादी के चार साल बाद माता-पिता बनने वाले हैं। दोनों ने सोशल मीडिया पर गोद भराई सेरेमनी की खास तस्वीरें शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है। बॉलीवुड अभिनेता आदित्य सील और उनकी पत्नी अनुष्का रंजन के घर जल्द ही नन्हा मेहमान आने वाला है। शादी के 4 साल बाद यह कपल अपने पहले बच्चे का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। हाल ही में दोनों ने पारंपरिक तरीके से 'गोद भराई' की रस्म मनाई और इसकी खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। अनुष्का रंजन ने इंस्टाग्राम पर गोद भराई की खास झलक साझा की हैं। एक तस्वीर में आदित्य अपनी पत्नी अनुष्का के साथ बैठे मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। अनुष्का ने प्यार से उन्हें अपनी गोद भराई का राजा कहा। दूसरी तस्वीर में दोनों एक-दूसरे का हाथ थामे हुए अनुष्का के बेबी बंप पर हाथ रखे दिखाई दिए। इस फंक्शन के लिए अनुष्का ने खूबसूरत ऑरेंज कलर का सलवार-कमीज पहना, जबकि आदित्य पीले कुर्ते और सफेद पजामे में बेहद हैंडसम लग रहे हैं। इन तस्वीरों के साथ कपल ने एक खास कैप्शन लिखा कि वे खुद को बहुत भाग्यशाली महसूस कर रहे हैं और अपने आने वाले बच्चे का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने एक बेहद प्यारे नोट के साथ अपने फैंस को माता-पिता बनने की खुशखबरी दी थी। दोनों ने वेब सीरीज 'फितरत' में एक साथ काम किया है।

मधु ने साझा की हेमा मालिनी के साथ तस्वीरें बेटी अहाना देओल भी आई साथ नजर बताया इसे बेहद खास पल

Madhoo With Hema Malini: पूर्व अभिनेत्री मधु ने अपने घर पर एक शानदार पार्टी का आयोजन किया। इस खास मौके पर हेमा मालिनी और अहाना देओल ने भी शिरकती की। मध ने पारिवारिक समारोह की दिल छू लेने वाली तस्वीरें साझा करक प्रशंसकों को खुश कर दिया है बॉलीवुड अभिनेत्री मधु ने हाल ही में दिग्गज अभिनेत्री हेमा मालिनी के साथ एक पारिवारिक समारोह की बेहद खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में दोनों का गहरा प्यार साफ नजर आ रहा है, जिसे देखकर फैंस बेहद खुश हैं। मधु ने पारिवारिक मिलन की कुछ खास तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की। इसी शानदार तस्वीरों के साथ मधु ने कैप्शन में लिखा, 'बहुत ही खास पल। परिवार।' इन तस्वीरों में मधु एक सुंदर सिल्वर-ग्रे साड़ी में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं, जिसके बॉर्डर पर गोल्डन वर्क है। वहीं हेमा मालिनी और मधु उनके परिवार के बाकी सदस्यों के साथ मुस्कुराते हुए पोज देती नजर आईं। इससे पहले पिछले साल मधु को हेमा मालिनी की बेटी एशा देओल के साथ मुंबई के प्रसिद्ध 'अलीबाग चा राजा' मंदिर में भी देखा गया था, जहां वे नंगे पैर बप्पा के दर्शन करने पहुंची थीं।

मधु ने 1991 में आई सुपरहिट फिल्म 'फूल और कांटे' से बॉलीवुड में कदम रखा था, जिसमें उनके साथ अजय देवगन मुख्य भूमिका में थे। इसके बाद उन्होंने 'योद्धा', 'दिलजले', 'पहचान' और 'ऐलान' जैसी कई बड़ी फिल्मों में काम किया। निर्देशक मणिरत्नम की फिल्म 'रोजा' में निभाया गया मधु का किरदार आज भी भारतीय सिनेमा के सबसे पसंदीदा किरदारों में से एक है। मधु ने हिंदी के साथ-साथ तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ फिल्मों में भी अपनी अदाकारी का जादू बिखेरा है।

'यह कहानी पूरी तरह से मनगढ़ंत है' कंगना रनौत पर लगा होंठ जख्मी करने का आरोप अभिनेता ने किया बचाव

Vir Das: वीर दास ने उस दावे पर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें कहा गया था कि किसिंग सीन के बाद उनके होंठ से खून निकलने लगा था। आइए जानते हैं पूरा मामला क्या है? कॉमेडियन-एक्टर वीर दास अपनी एक प्रतिक्रिया को लेकर चर्चा में आ गए हैं। हाल ही में एक पत्रकार ने 'रिवॉल्वर रानी' में कंगना रनौत के साथ उनके किसिंग सीन को लेकर एक दावा किया। इस पर अभिनेता ने सख्त प्रतिक्रिया दी है। पत्रकार ने आरोप लगाया कि सीन खत्म होने के बाद भी एक्ट्रेस ने दास को किस करना बंद नहीं किया, जिससे उनके होंठ पर चोट लग गई। वीर दास ने हाल ही में पत्रकार की बात को पूरी तरह मनगढ़ंत बताया और इस दावे को खारिज कर दिया। उन्होंने एक्स पर लिखा 'ठीक है। बस साफ कर दूं। यह कहानी पूरी तरह मनगढ़ंत है। कंगना रनौत पूरी तरह प्रोफेशनल थीं और मैं अब भी मानता हूं कि वह सच में एक बेहतरीन कलाकार हैं। यह गलत है। यह उनकी बदनामी है।' वीर दास ने आगे बताया कि कुछ साल पहले पत्रकार ने उनकी कॉमेडी को लेकर उन्हें आतंकवादी कहा था। सिद्धार्थ कन्नन के पॉडकास्ट पर पत्रकार ने बताया 'जब वह शूटिंग कर रही थीं, तो वीर दास को अपने पॉडकास्ट पर लाईं। शायद वह उस मुश्किल समय के बारे में सोचकर रो पड़ेंगे जिससे वह गुजरे थे। जब वह 'रिवॉल्वर रानी' की शूटिंग कर रही थीं, तो सीन में उन्हें डीप किस करना था। वह भूल गईं। सीन खत्म हो गया, लेकिन वह किस करती रहीं, बेचारे का होंठ काटकर खून-खून कर दिया।' फिलहाल, कंगना रनौत ने पत्रकार के वायरल दावों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। वीर दास 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में दिखे, जो एक डायरेक्टर के तौर पर उनकी पहली फिल्म थी यह 26 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

आलिया भट्ट और शरवरी ने दिखाई अल्फा के गाने की खास झलक एक साथ झूमती आईं नजर देखें वायरल वीडियो

Alpha Song Video: आलिया भट्ट और शरवरी वाघ एक साथ फिल्म 'अल्फा' में नजर आने वाली हैं। सोशल मीडिया पर नई फिल्म 'अल्फा' के गाने का एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। इस गाने की खास झलक देखकर फैंस बेहद खश हैं। आलिया भट्ट और शरवरी वाघ की स्पाई यूनिवर्स फिल्म 'अल्फा' 3 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म की रिलीज से पहले आलिया और शरवरी की फिल्म 'अल्फा' का एक गाना सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें आलिया और शरवरी झूमती नजर आ रही हैं। आलिया भट्ट और शरवरी ने रविवार को इंस्टाग्राम लाइव के दौरान अपनी आगामी फिल्म 'अल्फा' के पहले गाने 'मैसेकर' की झलक दिखाई। लाइव के क्लिप अब ऑनलाइन वायरल हो रहे हैं और कई प्रशंसक यश राज फिल्म्स से पूरा गाना रिलीज करने की गुहार लगा रहे हैं।

इस वीडियो में शरवरी गाड़ी चलाती हुई दिख रही हैं, जबकि आलिया उनके बगल में बैठे प्रशंसकों से बातचीत कर रही हैं। इस वीडियो में दोनों ही अपनी फिल्म 'अल्फा' के पहले गाने 'मैसेकर' पर झूमती नजर आ रही हैं। इस गाने की झलक देखकर फैंस बेहद खुश और उत्साहित हैं। एक्स X पर आलिया और शरवरी के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। एक प्रशंसक ने लिखा, 'अल्फा गाना 'मैसेकर बहुत ही आकर्षक है', दूसरे प्रशंसक ने लिखा, 'YRF को इसे जल्द से जल्द रिलीज करना चाहिए।', एक और प्रशंसक ने लिखा, 'मैं इसे अब बार-बार सुन रहा हूं।' 'अल्फा' में शरवरी वाघ, आलिया भट्ट, अनिल कपूर और बॉबी देओल नजर आएंगे। यह फिल्म 3 जुलाई, 2026 को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में ऋतिक रोशन का एक स्पेशल कैमियो रोल भी है। वीडियो में आलिया और शरवरी कार में सफर के दौरान फिल्म के अपकमिंग ट्रैक 'मैसेकर' (Massacre) की छोटी-सी झलक पर साथ झूमती नजर आईं। दोनों की शानदार केमिस्ट्री और जोशीले अंदाज ने फैंस का उत्साह कई गुना बढ़ा दिया। गाने की कुछ सेकंड की क्लिप ही इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो गई और प्रशंसकों ने पूरे गाने को जल्द रिलीज करने की मांग शुरू कर दी

गिलास-चम्मच से शानदार संगीत की धुनें तैयार कर दिया करते थे पंचम दा जयंती पर जानिए उनसे जुड़े दिलचस्प किस्से

RD Burman Birth Anniversary: अपने जमाने के दिग्गज संगीतकार आर.डी. बर्मन (राहुल देव बर्मन) की आज बर्थ एनिवर्सरी है। आर.डी. बर्मन को लोग प्यार से 'पंचम दा' कहकर पुकारा करते थे। उन्होंने भारतीय सिनेमा की दुनिया में संगीत को नया आयाम दिया। 60 से लेकर 90 के दशक तक उनके गीत खूब हिट हुए। आज भी लोग उनके गाने सुनना पसंद करते हैं। पंचम दा की जयंती पर जानते हैं उनके गानों से जुड़े कुछ रोचक किस्सेआर.डी. बर्मन का जन्म 27 जून 1939 को कोलकाता में हुआ था। उन्होंने हिंदी फिल्म जगत को नई संगीत धुनें और बेहतरीन गाने दिए। 300 से ज्यादा फिल्मों में संगीत देने वाले पंचम दा सिर्फ अपनी धुनों की वजह से याद नहीं किए जाते, बल्कि उनकी मेकिंग से जुड़े किस्से भीउतने ही दिलचस्प हैं। कभी मजाक में बोला गया शब्द सुपरहिट हो गया, तो कभी रोजमर्रा की चीजों से निकली आवाजें संगीत का हिस्सा बन गईं। जानिए स्टूडियो में रिकॉर्डिंग चल रही थी। आशा भोसले अपनी लाइनें गा रही थीं और आर.डी. बर्मन कंट्रोल रूम में बैठे हर चीज पर बारीकी से नजर रखे हुए थे। तभी उन्होंने मजाक-मजाक में माइक के सामने आकर कहा, 'मोनिका... ओ माय डार्लिंग'। किसी ने नहीं सोचा था कि यह छोटी सी लाइन गाने का सबसे यादगार हिस्सा बन जाएगी। बाद में लोगों ने पूरा गाना जितना नहीं गुनगुनाया, उतना 'मोनिका...' वाली लाइनों को दोहराया। पंचम दा ने साबित कर दिया कि कभी-कभी इतिहास एक ही शब्द से बन जाता है। आर.डी. बर्मन खुद को कभी महान गायक नहीं मानते थे, लेकिन 'शोले' के लिए बनी इस धुन में कुछ ऐसा था, जो किसी साफ-सुथरी आवाज में फिट नहीं बैठ रहा था। आखिरकार उन्होंने खुद गाने का फैसला किया। ऐसा लगा जैसे कोई रेगिस्तान में बैठा बंजारा प्रेम का गीत गा रहा हो।

वेंकटेश दग्गुबाती की नई फिल्म 'आदर्श कुटुंबम हाउस नंबर 47 की रिलीज डेट आई सामने जानें इस साल कब होगी रिलीज

'आदर्श कुटुंबम हाउस नंबर 47' में एक शानदार जोड़ी देखने को मिलेगी। इस फिल्म का निर्देशन मशहूर निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास कर रहे हैं। इस फिल्म में वेंकटेश और त्रिविक्रम की जोड़ी लंबे समय बाद वापसी कर रही है। यह एक एक्शन, कॉमेडी और थ्रिलर फिल्म होगी। इस प्रोजेक्ट की घोषणा साल 2025 में की गई थी और तभी से फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वेंकटेश दग्गुबाती इन दिनों एक और बड़ी फिल्म 'VenkyAnil5' की शूटिंग में व्यस्त हैं। निर्देशक अनिल रविपुडी के साथ उनकी आने वाली फिल्म, जिसका अस्थायी नाम 'VenkyAnil5' है। इसकी शूटिंग 18 जून से हैदराबाद में शुरू हो चुकी है। इस फिल्म में उनके साथ नंदमुरी कल्याण राम, कीर्ति सुरेश और कृति शेट्टी भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। वेंकटेश को हाल ही में फिल्म 'माना शंकरवाराप्रसाद गारू' में देखा गया था, जो बॉक्स-ऑफिस पर सुपरहिट रही थी। इस फिल्म में उनके साथ नयनतारा और चिरंजीवी जैसे बड़े सितारे भी शामिल थे।

Aadarsha Kutumbam House No 47 Release Date: साउथ अभिनेता वेंकटेश दग्गुबाती की नई फिल्म 'आदर्श कुटुंबम हाउस नंबर 47' की रिलीज डेट सामने आ गई है। इस फिल्म में केजीएफ अभिनेत्री श्रीनिधि शेट्टी भी नजर आएंगी। जानें कब रिलीज होगी फिल्म? साउथ के सुपरस्टार वेंकटेश दग्गुबाती और अभिनेत्री श्रीनिधि शेट्टी के फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। उनकी आने वाली फिल्म 'आदर्श कुटुंबम हाउस नंबर: 47' (AK 47) की रिलीज डेट का एलान हो गया है। वेंकटेश के फैंस के लिए खुशखबरी है कि यह फिल्म इस साल ही रिलीज होगी। आज निर्माताओं ने वेंकटेश दग्गुबाती की नई फिल्म 'आदर्श कुटुंबम हाउस नंबर 47' का नया पोस्टर साझा किया है। इसके साथ उन्होंने फिल्म की रिलीज की घोषणा करते हुए लिखा, 'एक ऐसी तारीख जिसे हर परिवार याद रखेगा। 'आदर्श कुटुंबम' के दरवाजे दुनिया भर में 2 अक्तूबर को खुलेंगे।'

फिल्म में संगीत थमन एस ने दिया है, जबकि सिनेमैटोग्राफी की जिम्मेदारी रवि के. चंद्रन ने संभाली है। इसका निर्माण हारिका एंड हासिनी क्रिएशंस के बैनर तले किया जा रहा है। फिल्म में नारा रोहित, पूजिता पोन्नाडा और राव रमेश समेत कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। रिलीज डेट की घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर उत्साह और बढ़ गया है। रिलीज डेट पोस्टर में दोनों को पति-पत्नी के रूप में दिखाया गया है,

यफ्रेंड के साथ अक्षय कुमार की फिल्म देखनेपहुंची श्रद्धा कपूर सिनेमाघर से वायरल हो रहा वीडियो

Shraddha Kapoor Viral Video: श्रद्धा कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म 'ईठा' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच वह अपने कथित बॉयफ्रेंड के साथ नजर आई हैं। वह अक्षय कुमार की फिल्म देख रही थीं। श्रद्धा कपूर और उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड राहुल मोदी एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार वह एक-साथ सिनेमाघरों में नजर आए हैं। सिनेमा हॉल के अंदर का एक वायरल वीडियो सामने आया है जिसमें श्रद्धा 'वेलकम टू द जंगल' की स्क्रीनिंग के दौरान हंसती हुई नजर आ रही हैं। राहुल उनके ठीक बगल में बैठे हैं। वीडियो ने फैंस और इंटरनेट पर हलचल मचा दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह वीडियो चुपके से एक साथी दर्शक ने रिकॉर्ड किया था। इसमें श्रद्धा कपूर अक्षय कुमार की कॉमेडी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का भरपूर मजा लेती दिख रही हैं। राहुल मोदी उनके बगल में बैठे फिल्म देखते हुए नजर आ रहे हैं। जिस फैन ने यह क्लिप शेयर की उसने लिखा, 'भारत की नेशनल क्रश श्रद्धा कपूर के साथ 'वेलकम टू द जंगल' देख रहा हूं।' यह पोस्ट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से वायरल हो गया। श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी के बीच रिश्ते की चर्चा 2024 की शुरुआत से ही हो रही है। उन्हें पहली बार मुंबई में एक साथ एक रेस्टोरेंट से निकलते हुए देखा गया था। तब से, दोनों कई इवेंट्स में एक साथ नजर आए हैं।

The Bonus Market Update

शेयर बाजार में सुस्त शुरुआत, सेंसेक्स गिरा, निफ्टी 24000 के करीब

सोमवार सुबह शुरुआती तेजी के बाद बाजार में सुस्ती देखने को मिली। सेंसेक्स 47.96 अंकों (0.06%) की मामूली गिरावट के साथ 77,052.51 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी इंडेक्स ने थोड़ा बेहतर प्रदर्शन किया। निफ्टी 13.55 अंकों (0.06%) की हल्की बढ़त के साथ 24,069.55 के स्तर पर कारोबार करता दिखा।इस सुस्त और उतार-चढ़ाव भरे माहौल के बीच, 'इटरनल' और 'ट्रेंट' के शेयर बाजार में टॉप गेनर्स (सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाले) की लिस्ट में सबसे ऊपर रहे। विश्लेषकों के अनुसार, निफ्टी अपने 24,000 के मजबूत स्तर को बनाए रखने में सफल रहेगा। बाजार को यह मजबूती तीन मुख्य कारणों से मिलेगी- पहला, जानकारों को उम्मीद है कि आगे चलकर भू-राजनीतिक तनाव में कमी आएगी; दूसरा, ऊर्जा की कीमतों में गिरावट का अनुमान है;

29 जून 2026 को भारतीय शेयर बाजार की सुस्त शुरुआत हुई है। शुरुआती बढ़त के बाद सेंसेक्स लाल निशान में तो निफ्टी 24 हजार के करीब दिखा। जानिए ईरान-अमेरिका तनाव और ग्लोबल मार्केट का बाजार पर क्या असर पड़ रहा है। पूरी खबर पढ़ें!29 जून 2026 को भारतीय शेयर बाजार में कारोबारी हफ्ते की शुरुआत बेहद शांत और मिले-जुले रुझानों के साथ हुई है। सोमवार की सुबह शुरुआती बढ़त के बाद सेंसेक्स लाल निशान पर करोबार करता दिखा, वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी हरे निशान में रहकर अपने अहम 24,000 के स्तर को बचाने में कामयाब रहा। इस 'म्यूटेड' यानी सुस्त शुरुआत के पीछे वैश्विक स्तर पर बढ़ रहे भू-राजनीतिक तनाव को मुख्य कारण माना जा रहा है। आइए, आसान भाषा में समझते हैं कि सोमवार की सुबह बाजार में क्या हलचल रही और आगे के लिए एक्सपर्ट्स बाजार की चाल को लेकर क्या अनुमान लगा रहे हैं।और तीसरा, घरेलू मुद्रा में लगातार बनी हुई मजबूती बाजार को बड़ा सपोर्ट देगी।

घरेलू बाजार के इस मिले-जुले और सतर्क रुख का सीधा कनेक्शन अंतरराष्ट्रीय हलचलों से है। दरअसल, सप्ताहांत (वीकेंड) के दौरान ईरान और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर से गहरा गया है। इस भू-राजनीतिक (जियोपॉलिटिकल) तनातनी का सीधा असर कच्चे तेल पर पड़ा है, जिसके कारण तेल (ऑयल) की कीमतों में हल्का उछाल दर्ज किया गया है। ऊर्जा की कीमतों में इस बढ़ोतरी ने निवेशकों को थोड़ा सतर्क कर दिया, जिसके चलते सोमवार को बाजार की शुरुआत ठंडी रही। भले ही सप्ताह की शुरुआत सुस्त रही हो, लेकिन बाजार के विश्लेषक भारतीय इक्विटी को लेकर अभी भी काफी आश्वस्त हैं।

यहां भी है रिटर्न सुरक्षा के साथ: स्मॉलकैप

मिडकैप एसेट्स को लेकर निवेशकों के मन में अनिश्चितता

दिल्ली में रहने वाले रमेश मित्तल ने पिछले साल रिटायर होने पर फंड का एक बड़ा हिस्सा स्मॉलकैप और मिडकैप म्यूचुअल फंड में लगाया था। शुरुआती कुछ महीनों में तो अच्छा मुनाफा दिखा। लेकिन हाल की उथल-पुथल में मुनाफा साफ होने लगा। इस गिरावट ने रमेश की रातों की नींद उड़ा दी। अब वे सोच रहे हैं कि काश उन्होंने अपना यह पैसा पीपीएफ या सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम जैसी सरकारी लघु बचत योजनाओं में लगाया होता, जहां लॉक-इन पीरियड भले ही है, लेकिन पूंजी डूबने का डर पूरी तरह शून्य है।बाजार आधारित म्यूचुअल फंड्स में सुरक्षा की सीमा फंड मैनेजर की कुशलता पर टिकी होती है, लेकिन लघु बचत योजनाओं में आपकी पूंजी और रिटर्न दोनों की 100% गारंटी भारत सरकार देती है। यहां डिफॉल्ट का जोखिम पूरी तरह शून्य है।

जब शेयर बाजार वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव या आर्थिक मंदी के कारण गोता लगाने लगता है, तब निवेशकों का रुझान सुरक्षित विकल्पों की तरफ बढ़ना लाजिमी है। ऐसे दौर में पब्लिक प्रॉविडेंट फंड, सुकन्या समृद्धि योजना, नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट और सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम जैसी लघु बचत योजनाएं एक अचूक सुरक्षा कवच की भूमिका निभाती हैं। कई लोग इनके लंबे लॉक-इन पीरियड को एक नकारात्मक पहलू के रूप में देखते हैं, लेकिन इसे व्यावहारिक अनुशासन के रूप में देखा जाना चाहिए, जो आपको बाजार के उतार-चढ़ाव को देखकर घबराहट में गलत निर्णय लेने से रोकता है।शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव से इन योजनाओं पर कोई आंच नहीं आती। इनका रिटर्न निश्चित होता है और हर तिमाही पर ब्याज दरों की समीक्षा की जाती है।

Gold Price Outlook: सोना फिर चमका

लेकिन अभी राहत नहीं; जानिए आगे क्या हो सकता है

शनिवार को सोने और चांदी की कीमतों में हल्की बढ़त दर्ज की गई। इसकी वजह अमेरिका के महंगाई के आंकड़े रहे। इन आंकड़ों के बाद बाजार में यह उम्मीद बनी कि फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना पहले की तुलना में कम हो सकती है। इसी उम्मीद ने सोने में खरीदारी को कुछ समर्थन दिया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के आंकड़ों के अनुसार, इस साल दोनों कीमती धातुओं में जबरदस्त उतार-चढ़ाव देखने को मिला। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोना करीब 1.33 लाख रुपये था, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.79 लाख रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद कीमतों में गिरावट आई और अब तक सोना लगभग 36 हजार रुपये सस्ता हो चुका है।चांदी की कीमत भी 2.30 लाख रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 3.86 लाख रुपये तक पहुंची थी। इसके बाद इसमें भी बड़ी गिरावट आई और अब तक यह करीब 1.69 लाख रुपये सस्ती हो चुकी है। एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर का कहना है कि फिलहाल कमोडिटी बाजार सतर्कता के दौर में है। निवेशकों की नजर अमेरिकी मौद्रिक नीति, डॉलर, ट्रेजरी यील्ड और वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रम पर बनी हुई है। मजबूत डॉलर और ऊंची ट्रेजरी यील्ड की वजह से सोने जैसी बिना ब्याज वाली संपत्तियों का आकर्षण कम हुआ है।वहीं, कोटक सिक्योरिटीज की एवीपी कमोडिटी रिसर्च कायनात चैनवाला का कहना है कि जब तक ब्याज दरों को लेकर स्पष्ट बदलाव नहीं दिखता, तब तक सोने और चांदी पर दबाव बना रह सकता है।पिछली फेड बैठक के बाद सोने में 5 प्रतिशत से ज्यादा और चांदी में 10 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट इसी का उदाहरण है।

Gold Price Outlook: सोने और चांदी की कीमतों में हालिया गिरावट और रिकवरी के पीछे की वजह जानिए। समझिए कि अमेरिकी फेड, डॉलर और वैश्विक घटनाक्रम आगे गोल्ड प्राइस को कैसे प्रभावित कर सकते हैं। पूरा माजरा क्या है, आइए समझते हैं।बाजार विशेषज्ञों की राय इससे अलग है। उनका कहना है कि फिलहाल सोने और चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। इसकी सबसे बड़ी वजह अमेरिकी ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता, मजबूत डॉलर और वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम हैं।विशेषज्ञों के मुताबिक, पिछले सप्ताह सोना नवंबर 2025 के बाद अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया था। इसके पीछे कई वजहें रहीं।

क्या आपका बचत खाता जरूरत के हिसाब से सही है

आपकी जेब और बचत पर भारी पड़ेगा आलस्य

बहुत ज्यादा कैश न रखें

बचत खाता निवेश का साधन नहीं है। यह सिर्फ शॉर्ट-टर्म खर्चों, बिलों, ईएमआई और इमरजेंसी कैश के लिए है। अपने लाखों रुपए 3% वाले सेविंग्स अकाउंट में लावारिस छोड़ देना वित्तीय नुकसान है। प्राइमरी खाते में सिर्फ 1 से 2 महीने का खर्च रखें। बाकी का 3 से 6 महीने का इमरजेंसी फंड किसी हाई-इंटरेस्ट सेविंग्स अकाउंट या लिक्विड म्यूचुअल फंड में डालें, जहां बेहतर रिटर्न भी मिले और 24 घंटे में पैसा वापस भी निकाला जा सके।ज्यादा खातों के बजाय अधिकतम दो खाते रखें, जिसका निश्चित लक्ष्य हो। प्राइमरी अकाउंट में आपकी सैलरी आती हो और जिससे आपके खर्च, ईएमआई और एसआईपी ऑटो-डेबिट होते हों। सेकेंडरी अकाउंट में पैसा आप केवल इमरजेंसी फंड या छोटी अवधि के लक्ष्यों के लिए रखें और जहां ब्याज दर ज्यादा मिले। अगर पति-पत्नी मिलकर घर का खर्च (किराया, राशन, बिजली बिल) चलाते हैं, तो एक ज्वाइंट अकाउंट रखें ताकि पर्सनल सेविंग्स अलग रहे। विचार, राय और निवेश संबंधी सुझाव अलग-अलग विशेषज्ञों, ब्रोकर फर्मों या रिसर्च संस्थानों के हैं। इनसे अखबार या उसके प्रबंधन की सहमति जरूरी नहीं है। इस जानकारी के आधार पर होने वाले किसी भी नुकसान की जिम्मेदारी अखबार या उसके प्रबंधन की नहीं होगी।

बचत खाता खुलवाते समय केवल सुविधा नहीं, बल्कि अपनी बैंकिंग जरूरतों को ध्यान में रखना चाहिए। खाते का चुनाव सैलरी, खर्च, ब्याज दर और बैंक नेटवर्क के आधार पर करें। न्यूनतम बैलेंस, डेबिट कार्ड, एसएमएस और अन्य छिपे शुल्कों पर नजर रखें। बेहतर वित्तीय प्रबंधन के लिए अधिकतम दो खाते रखें और उनके उपयोग का उद्देश्य पहले से तय करें।नया बचत खाता खुलवाना अक्सर एक बेहद साधारण काम लगता है। हम में से ज्यादातर लोग नौकरी शुरू करते वक्त एक खाता खुलवा लेते हैं, हर महीने उसमें सैलरी आती है और हम कभी मुड़कर नहीं देखते कि उस खाते के नियम-शर्तें क्या हैं... ...लेकिन हकीकत यह है कि आपका यही आलस्य आपकी जेब और बचत पर भारी पड़ता है।अगर आपका मुख्य उद्देश्य हर महीने सैलरी आना और रोजाना के बिल पेमेंट, ईएमआई या यूपीआई करना है, तो एक स्टैंडर्ड सैलरी अकाउंट या लो-मिनिमम बैलेंस खाता सबसे मुफीद है।

शेयर बाजार में कौन सी कंपनियां चमकी

छह कंपनियों की वैल्यू ₹88,678 करोड़ बढ़ी

बीते सप्ताह बीएसई का सेंसेक्स 297.57 अंक यानी 0.38 प्रतिशत मजबूत हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी में 42.9 अंकों यानी 0.17 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, पश्चिम एशिया की बेहतर होती भू-राजनीतिक स्थिति और विदेशी संस्थागत निवेशकों की चुनिंदा खरीदारी ने निवेशकों का भरोसा मजबूत किया। इसी वजह से बाजार ने सीमित लेकिन सकारात्मक बढ़त के साथ सप्ताह का समापन किया। शीर्ष 10 कंपनियों में आईसीआईसीआई बैंक सबसे बड़ा विजेता बनकर उभरा। बैंक का बाजार पूंजीकरण 29,588.75 करोड़ रुपये बढ़कर 9.95 लाख करोड़ रुपये के करीब पहुंच गया। वहीं, एचडीएफसी बैंक की वैल्यू 24,718.3 करोड़ रुपये बढ़कर 12.25 लाख करोड़ रुपये हो गई।

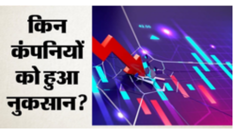

पश्चिम एशिया में तनाव कम होने, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और विदेशी निवेशकों की चुनिंदा खरीदारी के बीच शेयर बाजार में बीते सप्ताह सकारात्मक माहौल देखने को मिला। छुट्टियों के कारण छोटा रहा कारोबारी सप्ताह देश की कई बड़ी कंपनियों के लिए फायदे का सौदा साबित हुआ। इस दौरान देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में कुल 88678.1 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे ज्यादा फायदा आईसीआईसीआई बैंक को हुआ, जिसकी बाजार हैसियत में सबसे बड़ा उछाल दर्ज किया

छोटे कारोबारी सप्ताह में शेयर बाजार में सकारात्मक रुख देखने को मिला। शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह कंपनियों की बाजार वैल्यू में कुल 88,678 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। आईसीआईसीआई बैंक सबसे बड़ा विजेता बनकर उभरा। वहीं भारती एयरटेल, एलआईसी, टीसीएस और हिंदुस्तान यूनिलीवर को नुकसान उठाना पड़ा। रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई हैवैश्विक संकेत और विदेशी निवेशकों का रुख बाजार की दिशा तय करेगा।

Rule Change: आधार से लेकर पासपोर्ट तक 1 जुलाई

होने जा रहे ये बदलाव, क्या-क्या बदल रहा है

नए महीने यानी 1 जुलाई से कुछ अहम वित्तीय और आम लोगों की सेवाओं से जुड़े बदलाव होने वाले हैं, जिनका आम आदमी की जेब पर काफी असर पड़ने वाला है। इनमें आधार, एलपीजी की कीमतों जैसे बदलाव शामिल हैं।अगला महीना शुरू होने में कुछ ही दिनों का समय बचा हुआ है। हर महीने की शुरुआत में कुछ न कुछ बदलाव होते हैं। ऐसे में एक जुलाई से आधार, पासपोर्ट, गाड़ियों के दाम से लेकर एलपीजी के दाम तक में बड़ा बदलाव होने जा रहा है, जिनका आपकी जेब पर सीधा असर पड़ता है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने एलान किया है कि अगर आप अपने आधार में ईमेल आईडी अपडेट करना चाहते हैं तो एक जुलाई-31 दिसंबर तक निशुल्क कर सकते हैं। इससे पहले आधार में ईमेल अपडेट करने के लिए 75 रुपए देने होते थे। इस कदम के जरिए आधार का संचालन करने वाली संस्था यूआईडीएआई की ओर से लोगों को आधार में लेटेस्ट जानकारी अपडेट करने के लिए प्रेरित करना है। वित्तीय वर्ष 2025-26 (आकलन वर्ष 2026-27) के लिए ITR-1 और ITR-2 फॉर्म भरने की अंतिम तारीख 31 जुलाई, 2026 तय की गई है। अगर आप इस तय समय सीमा के भीतर अपना रिटर्न दाखिल नहीं करते हैं, तो आपको भारी जुर्माना भरना पड़ सकता है। इसके अलावा, रिटर्न में देरी होने पर कुछ खास टैक्स रिजीम को चुनने पर रोक लग सकती है

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने एलान किया है कि अगर आप अपने आधार में ईमेल आईडी अपडेट करना चाहते हैं तो एक जुलाई-31 दिसंबर तक निशुल्क कर सकते हैं। इससे पहले आधार में ईमेल अपडेट करने के लिए 75 रुपए देने होते थे। इस कदम के जरिए आधार का संचालन करने वाली संस्था यूआईडीएआई की ओर से लोगों को आधार में लेटेस्ट जानकारी अपडेट करने के लिए प्रेरित करना है।

Aaj Ka Rashifal

वृषभ और तुला राशि वालों को रखनी होगी सावधानी, जानें 29 जून का राशिफल

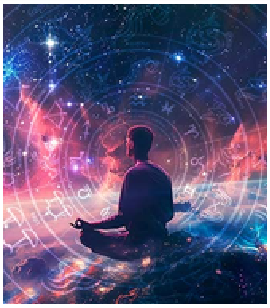

28 जून 2026 का दैनिक राशिफल यहां पढ़ें। मेष, कर्क, सिंह, कन्या, कुंभ, मकर राशि वालों के लिए आज का दिन शुभ है या अशुभ, जानें पूरी जानकारी। यह दिन ज्येष्ठ पूर्णिमा के पावन अवसर के साथ शुरू हो रहा है, जिसका असर ग्रहों की चाल पर भी देखने को मिल सकता है। कुछ राशि के जातकों के लिए आज का दिन धन-लाभ, करियर में तरक्की और रिश्तों में मधुरता लेकर आएगा तो वहीं कुछ लोगों को सेहत और पारिवारिक मामलों में थोड़ी सतर्कता बरतने की सलाह दी जा रही है। आइए जानते हैं 29 जून 2026 का राशिफल, और समझते हैं कि आज सितारों की चाल आपकी राशि के लिए क्या संकेत दे रही है।

मेष

आज भावनाएं आपके मन के दरवाजे पर दस्तक दे सकती हैं। किसी दूर बैठे अपने की याद अचानक दिल को छू सकती है और मन थोड़ा संवेदनशील बना रह सकता है। ऐसे में अपनी निजी बातें हर किसी से साझा करने के बजाय खुद को समझने और शांत रखने की कोशिश करें। आर्थिक दृष्टि से दिन उत्साहजनक संकेत दे रहा है। आय के नए रास्ते खुल सकते हैं और लंबे समय से नौकरी की तलाश में लगे लोगों को कोई सुखद समाचार मिल सकता है। घर में किसी अतिथि का आगमन खुशियों और रौनक का माहौल बनाएगा। विद्यार्थियों के लिए भी समय अनुकूल है, उच्च शिक्षा से जुड़ा कोई नया अवसर उनके सामने आ सकता है।

वृषभ

आज का दिन आपको यह याद दिला रहा है कि छोटी-छोटी बचतें ही बड़े सपनों की नींव बनती हैं। खर्चों पर नियंत्रण रखना भविष्य में आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगा, क्योंकि जल्द ही कोई महत्वपूर्ण योजना आपके सामने आ सकती है। घर में किसी खास मेहमान के आने से माहौल उत्सव जैसा महसूस होगा। हालांकि वाहन चलाते समय अतिरिक्त सावधानी बरतें, क्योंकि छोटी-सी लापरवाही परेशानी का कारण बन सकती है। माता-पिता का आशीर्वाद आपके किसी रुके हुए कार्य को गति दे सकता है और कोई महत्वपूर्ण डील भी आपके पक्ष में जा सकती है।

मिथुन

आज कार्यक्षेत्र में आपकी सजगता ही आपकी सबसे बड़ी ताकत साबित होगी। वरिष्ठ अधिकारियों की बातों को गंभीरता से लें, क्योंकि यही आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। काम की व्यस्तता बनी रहेगी, लेकिन इसी बीच किसी पुराने मित्र से मुलाकात आपके चेहरे पर मुस्कान ले आएगी। संतान की पढ़ाई को लेकर कुछ चिंताएं सामने आ सकती हैं, मगर आपकी समझदारी उन्हें दूर कर देगी। यदि परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण बनें तो घबराने के बजाय धैर्य का सहारा लें। विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा और नए अवसरों के द्वार खुल सकते हैं।

कर्क

आज का दिन किसी सुखद समाचार के साथ आपका स्वागत कर सकता है। विशेष रूप से संतान पक्ष से जुड़ी कोई खुशखबरी आपके मन को प्रसन्न कर सकती है। आपकी मेहनत और लगन का फल मिलने के संकेत हैं। यदि कोई सरकारी कार्य लंबे समय से अधूरा पड़ा था, तो उसमें प्रगति दिखाई दे सकती है। सड़क पर चलते समय और वाहन चलाते समय सावधानी अवश्य रखें। समाज में आपका सम्मान बढ़ेगा और लोग आपके व्यक्तित्व और कार्यों की सराहना कर सकते हैं।

सिंह

आज रिश्तों में मिठास घुलने का दिन है। वैवाहिक जीवन में प्रेम और समझदारी पहले से अधिक मजबूत हो सकती है। परिवार में यदि किसी बात को लेकर तनाव था, तो अब वह धीरे-धीरे समाप्त होने लगेगा। संतान की ओर से कोई शुभ समाचार मिल सकता है और आपकी कोई पुरानी इच्छा भी पूरी होती दिखाई दे रही है। हालांकि जल्दबाजी में लिए गए फैसले से बचें। आज जितना सोच-समझकर कदम बढ़ाएंगे, उतना ही लाभ मिलेगा।

कन्या

आज का दिन आपको धैर्य और विवेक का महत्व समझाएगा। किसी सरकारी मामले को लेकर चिंता बढ़ सकती है, लेकिन जल्द ही स्थिति स्पष्ट होती दिखाई देगी। आपकी कोई पुरानी इच्छा पूरी हो सकती है और आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत भी मिल रहे हैं। व्यापार से जुड़े लोगों को थोड़ी सावधानी बरतनी होगी, क्योंकि अंतिम समय में कोई काम अटक सकता है। कानूनी मामलों में किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह आपके लिए लाभदायक साबित होगी।

तुला

आज का दिन सामान्य रहेगा, लेकिन स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही करना उचित नहीं होगा। किसी दूर के रिश्तेदार से मिली खबर मन को थोड़ा उदास कर सकती है। नौकरी में बदलाव का विचार आपके मन में जोर पकड़ सकता है और आप नए अवसरों की तलाश भी शुरू कर सकते हैं। अविवाहित लोगों के जीवन में कोई दिलचस्प मुलाकात नए एहसास जगा सकती है। यात्रा के दौरान मिली कोई जानकारी भविष्य में आपके लिए काफी उपयोगी साबित हो सकती है।

वृश्चिक

आज स्वास्थ्य आपकी प्राथमिकता होना चाहिए। शरीर की छोटी-सी परेशानी को भी नजरअंदाज न करें। माताजी यदि कोई जिम्मेदारी सौंपें तो उसे पूरी निष्ठा से निभाएं। घर में धार्मिक आयोजन या पूजा-पाठ का माहौल बन सकता है, जिससे पूरे परिवार में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। पारिवारिक व्यवसाय में कुछ चुनौतियां सामने आ सकती हैं, लेकिन भाइयों और परिवार के सहयोग से उनका समाधान निकल आएगा। काम के सिलसिले में यात्रा के योग भी बन रहे हैं।

धनु

आज का दिन विशेष रूप से नेतृत्व और जिम्मेदारी से जुड़े लोगों के लिए शुभ संकेत लेकर आया है। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को नई जिम्मेदारी मिल सकती है। संतान के साथ बिताया गया समय आपके मन को प्रसन्न करेगा। स्वास्थ्य में सुधार रहेगा, लेकिन आपकी टालमटोल की आदत कुछ कामों को अधूरा छोड़ सकती है। यदि आज आप पूरी एकाग्रता से कार्य करेंगे, तो आने वाला समय आपके लिए सफलता के नए द्वार खोल सकता है। विद्यार्थियों को अपनी तैयारी और मजबूत करने की जरूरत होगी।रहेगा।

मकर

आज आपके मन में संपत्ति या नए निवेश को लेकर गंभीर विचार आ सकते हैं। व्यापार में लाभ के अच्छे संकेत हैं और लंबे समय से अटका हुआ धन वापस मिलने की संभावना भी दिखाई दे रही है। आर्थिक स्थिति मजबूत होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए किया गया निवेश लाभकारी सिद्ध हो सकता है। ऑनलाइन व्यापार से जुड़े लोगों को विशेष सतर्कता बरतनी होगी और लेन-देन से संबंधित हर कार्य सोच-समझकर करना होगा।

कुंभ

आज मेहनत आपकी सफलता की चाबी बनेगी। कार्यक्षेत्र में अपेक्षा से अधिक जिम्मेदारियां मिल सकती हैं और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचारों का मतभेद भी संभव है। फिर भी उनकी सलाह को महत्व देना आपके हित में रहेगा। परिवार में किसी सदस्य के विवाह को लेकर चर्चा या चिंता बनी रह सकती है। जीवनसाथी के साथ कोई महत्वपूर्ण वादा या भविष्य की योजना बन सकती है। उधार दिया गया धन वापस मिलने की संभावना है और भौतिक सुख-सुविधाओं में भी वृद्धि के संकेत हैं।

मीन

आज का दिन खुशियों, मित्रों और आनंददायक पलों से भरा रहने वाला है। दोस्तों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा और स्वादिष्ट भोजन दिन को और यादगार बना सकता है। लंबे समय से रुका हुआ कोई सरकारी कार्य आगे बढ़ सकता है। परिवार में किसी नए सदस्य या मेहमान के आगमन से घर में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। हालांकि किसी महत्वपूर्ण डील को अंतिम रूप देने में थोड़ी देरी हो सकती है, इसलिए धैर्य बनाए रखें। स्वास्थ्य से जुड़ी किसी भी समस्या को नजरअंदाज करने के बजाय समय रहते उचित सलाह लेना बेहतर रहेगा।

Aaj Ka Love Rashifal

सिंह और मीन राशि वालों के प्रेम संबंध रहेंगे खास

Love Horoscope 29 June 2026: किसकी लव लाइफ में आएगा रोमांस, किसे रिश्ते में रखनी होगी सावधानी? जानें सभी 12 राशियों का प्रेम भविष्यफल।

Love Rashifal 29 जून 2026: ज्येष्ठ पूर्णिमा के पावन अवसर पर आज का दिन प्रेम के मामले में सभी राशियों के लिए अलग-अलग अनुभव लेकर आ रहा है। ग्रहों की स्थिति आज दिलों की दुनिया पर खास असर डाल रही है, जिससे कुछ लोगों के जीवन में रोमांस की एक नई शुरुआत हो सकती है, तो वहीं कुछ रिश्तों में पहले से मौजूद नजदीकियां और गहरी हो सकती हैं। हालांकि यह दिन सभी के लिए एक जैसा नहीं रहेगा, कुछ राशियों को आज अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखने और साथी के साथ धैर्यपूर्वक व्यवहार करने की आवश्यकता महसूस हो सकती है। छोटी-छोटी गलतफहमियां आज रिश्तों में तनाव पैदा कर सकती हैं, इसलिए संयम बनाए रखना बेहद जरूरी होगा। आइए जानते हैं मेष से मीन राशि तक, 29 जून 2026 को आपके प्रेम जीवन में कैसे बदलाव और अनुभव देखने को मिल सकते हैं।

इन 5 राशियों के लिए शुरू होगा गोल्डन पीरियड

Jyeshtha Purnima 2026: 29 जून को इन 5 राशियों पर बरसेगी मां लक्ष्मी की कृपा, धन और करियर में मिलेगा बड़ा लाभ।

Jyeshtha Purnima Ka Rashiyon Par Prabhav: हिंदू धर्म में पूर्णिमा तिथि का विशेष महत्व माना गया है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान और दान करने से पुण्यकारी लाभ मिलने की मान्यता है, और हर महीने आने वाली पूर्णिमा अपने आप में खास होती है। इस बार ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा 29 जून 2026 को मनाई जाएगी, और इसी दिन वट सावित्री व्रत भी रखा जाएगा। ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन चंद्रमा अपने पूर्ण आकार में होता है, और इसी तिथि से आषाढ़ माह की शुरुआत भी हो जाती है। इस दिन माता लक्ष्मी और चंद्रमा की पूजा का विशेष विधान बताया गया है। ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार इस बार की ज्येष्ठ पूर्णिमा कुछ राशियों के लिए बेहद शुभ और लाभकारी साबित हो सकती है। इनमें मेष, मिथुन, तुला, धनु और कुंभ राशि के जातक शामिल हैं। आइए जानते हैं इन राशियों के लिए यह दिन क्या खास लेकर आएगा।

नौकरी में किसे मिलेगा किस्मत का साथ जानें सभी 12 राशियों का करियर

जुलाई 2026 में किस राशि को मिलेगी करियर में सफलता और किसे रहना होगा सावधान? जानें मेष से मीन तक सभी 12 राशियों का करियर राशिफल।

july Career Rashifal: जुलाई 2026 का महीना दस्तक देने को तैयार है। हर किसी के मन में यह जिज्ञासा कि आखिर इस महीने उसका करियर, नौकरी और व्यापार किस दिशा में आगे बढ़ेगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रहों की चाल हमारे कामकाजी जीवन को गहराई से प्रभावित करती है, चाहे वह नौकरी में मिलने वाली तरक्की हो, व्यापार में होने वाला मुनाफा, या रोज़मर्रा के काम में आने वाली छोटी-बड़ी रुकावटें। इन्हीं ग्रहों की स्थिति के आधार पर हर राशि के लिए अलग-अलग संकेत बनते हैं, जो यह तय करते हैं कि किसके लिए महीना संघर्षों से भरा रहेगा और किसके लिए सफलता की नई राह खुलेगी। आइए अब विस्तार से जानते हैं मेष से मीन तक सभी 12 राशियों के लोगों के लिए जुलाई 2026 का यह महीना करियर और व्यापार के मोर्चे पर कैसे परिणाम लेकर आ रहा है।

सना मीर ने शाहिद अफरीदी को लताड़ा: पाकिस्तान के पुरुषों को क्यों दी सोच बदलने की नसीहत? यहां जानें पूरा विवाद

पाकिस्तान की पूर्व कप्तान सना मीर ने महिला क्रिकेटरों के खिलाफ लैंगिक भेदभाव और ऑनलाइन नफरत पर चिंता जताई। उन्होंने शाहिद अफरीदी के पुराने विवादित बयान की आलोचना करते हुए कहा कि महिलाओं को उनकी गलतियों पर अनुचित तरीके से निशाना बनाया जाता है। साथ ही एआई वीडियो और झूठे प्रचार को भी खतरनाक बताया। महिला टी20 विश्वकप 2026 में पाकिस्तान का सफर जीत के साथ खत्म हुआ। टीम ने अपने आखिरी मैच में नीदरलैंड्स को 37 रन से हराया। इस मैच से पहले पाकिस्तान महिला टीम ने चार मैच गंवाए थे और लीग राउंड से ही टूर्नामेंट से बाहर हो गई थी। इसकी काफी आलोचना हुई थी। हालांकि, अब पाकिस्तानी महिला टीम की पूर्व कप्तान सना मीर ने सोशल मीडिया का सहारा लेकर पाकिस्तान में महिला क्रिकेटरों की मिलने वाली नफरत का खुलकर खुलासा किया है। 40 साल की सना मीर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए महिला क्रिकेटरों के खिलाफ हो रही नफरत, झूठे प्रचार और लैंगिक भेदभाव पर खुलकर अपनी बात रखी। साथ ही पाकिस्तान के पुरुष क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी को भी उनके एक बयान को लेकर लताड़ लगाई है। आइए जानते हैं सना मीर ने क्या कहा है आईसीसी टी20 विश्व कप के मौजूदा अभियान पर कहां से बात शुरू करें, समझ नहीं आता। खिलाड़ियों के उम्मीद से कमजोर प्रदर्शन ने सभी को निराश किया है। पाकिस्तान में महिला क्रिकेट में बड़े उलटफेर करने की क्षमता है।'

'हमारी टीम अच्छी रैंकिंग तक पहुंची, कुछ खिलाड़ियों को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में जगह मिली और हमने उपलब्ध हर बड़ी उपलब्धि हासिल की। टीम के ढांचे, घरेलू क्रिकेट और अन्य कमियों पर मैं पहले भी बोलती रही हूं और आगे भी बोलती रहूंगी। लेकिन जिस चीज ने मुझे सबसे ज्यादा दुख पहुंचाया है, वह हमारी सोच है।' सना मीर ने कहा कि समाज में महिलाओं के प्रति नजरिया बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'जब भी महिलाओं या लड़कियों की बात होती है, तो उनके प्रति एक तरह की तिरस्कार भरी सोच दिखाई देती है।

Explainer: आयरलैंड के खिलाफ क्यों हारा भारत कौन से बदलाव घातक साबित हुए? 2-0 से क्लीन स्वीप के आठ बड़े कारण

आयरलैंड ने भारत को दोनों टी20 मुकाबलों में हराकर इतिहास रच दिया। खराब शुरुआत, साझेदारियों की कमी, डेथ ओवरों में कमजोर बल्लेबाजी, टीम संयोजन पर सवाल और आयरलैंड की अनुशासित गेंदबाजी भारत की हार की सबसे बड़ी वजहें रहीं। अब भारतीय टीम की नजर इंग्लैंड दौरे पर होगी। टी20 विश्व चैंपियन भारत से शायद ही किसी ने उम्मीद की होगी कि वह आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 सीरीज 2-0 से हार जाएगा, लेकिन बेलफास्ट में पहले 34 रन और फिर एक रन की हार ने भारतीय टीम की कई कमजोरियों को उजागर कर दिया।

यह सिर्फ खराब दिन का नतीजा नहीं था, बल्कि पूरी सीरीज में लगातार दोहराई गई गलतियों का परिणाम था। आंकड़े, मैच की परिस्थितियां और क्रिकेट विशेषज्ञों की राय बताती है कि भारत की हार के पीछे पांच प्रमुख कारण रहे। भारत दोनों मुकाबलों में पावरप्ले का फायदा नहीं उठा सका। पहले टी20 में 183 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत नियमित अंतराल पर विकेट गंवाता रहा और 148 रन पर ऑलआउट हो गया। दूसरे मैच में भी 155 रन जैसे साधारण लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने शुरुआती विकेट जल्दी गंवा दिए, जिससे मध्यक्रम पर अतिरिक्त दबाव आ गया। पहले टी20 में भारत ने 90 रन पर शुरुआती पांच बल्लेबाजों को खो दिया था, जबकि दूसरे टी20 में 35 रन पर चार विकेट और फिर 74 रन के स्कोर तक आधी टीम पवेलियन लौट चुकी थी। टी20 क्रिकेट में मजबूत शुरुआत लक्ष्य का पीछा आसान बनाती है, लेकिन भारत दोनों मैचों में शुरुआत से ही बैकफुट पर चला गया। पहले मैच में 16 रन की और दूसरे मैच में शून्य की ओपनिंग साझेदारी हुई।

Jai Moondra: भारत को क्लीन स्वीप करने पर क्या बोले जय मूंदड़ा? जीत के पीछे की आयरलैंड की रणनीति का किया खुलासा

जय मूंदड़ा ने आयरलैंड कैंप के माहौल की भी तारीफ में कहा, 'खैर, उन्होंने मुझे ऐसा महसूस कराया कि मैं उन्हीं में से एक हूं, कुछ भी अलग नहीं। खेलना शानदार रहा, अच्छा माहौल, अच्छे लोग। तो बस वही काम कर रहा हूं, जो उन्होंने मुझे सौंपा है।'आयरलैंड के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जय मूंदड़ा को भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के अंतिम मुकाबले में 'प्लेयर ऑफ द मैच' और 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। भारत में जन्मे इस खिलाड़ी ने सीरीज के पहले मैच में 25 रन देकर दो विकेट

जबकि अगले मुकाबले में 32 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। आयरलैंड ने पहली बार भारत के खिलाफ टी20 सीरीज जीती है, जिसके बाद जय ने कहा कि इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने का उनका पहला अनुभव 'शानदार' रहा। मूंदड़ा ने रविवार को सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब में 155 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को मुश्किल में डाल दिया। उन्होंने संजू सैमसन को पगबाधा आउट किया और फिर अभिषेक शर्मा और श्रेयस अय्यर को भी पवेलियन भेजा। जय ने कुल तीन विकेट लिए और आयरलैंड ने एक रन से जीत हासिल कर यादगार सीरीज अपने नाम की। मैच के बाद प्रेजेंटेशन सेरेमनी में जय ने कहा, 'मैं अभी भी इस एहसास को महसूस करने की कोशिश कर रहा हूं। मुझे पता है कि इसे एक शब्द में बताना मुश्किल है। बेहतरीन खिलाड़ियों के खिलाफ खेलना और खुद को परखना एक शानदार एहसास है। तो बस लंबे समय तक बुनियादी चीजें करना ही योजना थी। टीम के सदस्यों और मैनेजमेंट को इसका श्रेय जाता है।

15 साल लंबे करियर का होगा अंत: बेन स्टोक्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से क्यों लिया संन्यास? वजह कर देगा भावुक

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का फैसला एशेज के बाद से उनके मन में था। मानसिक और शारीरिक थकान, लगातार चोटों और जिम्मेदारियों के दबाव के कारण उन्होंने यह कदम उठाया। स्टोक्स अब घरेलू क्रिकेट खेलते रहेंगे और अपने करियर से पूरी तरह संतुष्ट हैं। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के अपने फैसले के पीछे की वजहों का खुलासा किया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज टेस्ट के चौथे दिन संन्यास की घोषणा करने वाले स्टोक्स ने कहा कि यह फैसला किसी एक घटना की वजह से नहीं, बल्कि लंबे समय से चल रही मानसिक और शारीरिक थकान का परिणाम था।

हो सकता है कि यह फैसला कुछ लोगों को स्वार्थी लगे, लेकिन इस समय मेरे लिए यही सबसे बेहतर है। मुझे उम्मीद है कि यह टीम के लिए भी अच्छा साबित होगा। साथ ही मुझे विश्वास है कि इसी फैसले की वजह से मैं उस खेल से प्यार करना जारी रख पाऊंगा, जिसने मुझे जीवन में इतना कुछ दिया है।

रिटायरमेंट के फैसले पर बेन स्टोक्स

उन्होंने कहा कि यह कदम उन्हें क्रिकेट से अपना प्यार बनाए रखने में मदद करेगा और यही इस समय उनके लिए सबसे सही फैसला है। बेन स्टोक्स ने स्काई स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा कि यह फैसला भले ही लोगों को स्वार्थी लगे, लेकिन मौजूदा समय में यही उनके लिए सबसे अच्छा है। उन्होंने कहा, 'हो सकता है यह फैसला कुछ लोगों को स्वार्थी लगे, लेकिन इस समय मेरे लिए यही सबसे बेहतर है। मुझे उम्मीद है कि यह टीम के लिए भी अच्छा साबित होगा। जिसने मुझे जीवन में इतना कुछ दिया है।

महिला टी20 विश्व कप 2026: श्रीलंका ने स्कॉटलैंड को तीन विकेट से हराया आखिरी ओवर में दर्ज की रोमांचक जीत

महिला टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप-दो के मुकाबले में श्रीलंका ने स्कॉटलैंड को तीन विकेट से हराकर टूर्नामेंट में अपनी उम्मीदें बरकरार रखीं। 152 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका ने 19.5 ओवर में 154/7 रन बनाए और महिला टी20 विश्व कप के एक संस्करण में पहली बार तीन मैच जीतने का रिकॉर्ड भी बनाया। महिला टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप-दो के मुकाबले में श्रीलंका ने स्कॉटलैंड को आखिरी ओवर तक चले रोमांचक मुकाबले में तीन विकेट से हरा दिया। 152 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका ने 19.5 ओवर में 154/7 रन

बनाकर मैच अपने नाम किया। जीत के साथ श्रीलंका ने टूर्नामेंट में अपनी उम्मीदें बरकरार रखीं और महिला टी20 विश्व कप के एक संस्करण में पहली बार तीन मुकाबले जीतने का इतिहास भी रच दिया। मैच में निलाक्षिका सिल्वा ने 21 गेंदों में 21 रन की अहम पारी खेली और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड ने निर्धारित 20 ओवर में 151/6 का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। शुरुआत संभलकर करने के बाद कप्तान कैथरीन ब्राइस और डार्सी कार्टर ने पारी को आगे बढ़ाया। कार्टर के आउट होने के बाद सारा ब्राइस ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 33 गेंदों में नाबाद 47 रन बनाए और अंतिम गेंद पर चौका लगाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। श्रीलंका की ओर से कविशा दिलहारी, मिथाली अयोध्या और सुगंदिका कुमारी ने अहम विकेट हासिल किए। 152 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका को कप्तान चामरी अट्टापट्टू ने तेज शुरुआत दिलाई।

JKCA: जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष जाविद अहमद किताब निलंबित जानिए एपेक्स काउंसिल के फैसले की वजह

जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष जाविद अहमद किताब को एपेक्स काउंसिल द्वारा सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास कर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जानिए क्या है पूरा मामला। जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन (जेकेसीए) से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। एसोसिएशन की एपेक्स काउंसिल द्वारा सर्वसम्मति से पारित किए गए एक प्रस्ताव के बाद जेकेसीए के अध्यक्ष जाविद अहमद किताब को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। 25 जून को अंतिम रूप दिए गए इस फैसले को अपेक्स काउंसिल में स्पष्ट 8-0 के बहुमत से पास किया गया। क्रिकेट संस्था द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, इस प्रस्ताव को जेकेसीए के संविधान के नियम 23(i) के तहत अपेक्स काउंसिल के पात्र सदस्यों के बीच घुमाया (सर्कुलेट किया) गया था। चूंकि यह पूरा मामला खुद अध्यक्ष के आचरण और उनके निलंबन से जुड़ा हुआ था, इसलिए इस प्रस्ताव को जाविद अहमद किताब के पास नहीं भेजा गया।

शिवम दुबे की कहानी: ओवरवेट होने के कारण छोड़ा था क्रिकेट फिर ऐसी की वापसी और बन गए दो बार के विश्व चैंपियन

भारतीय क्रिकेट के स्टार ऑलराउंडर शिवम दुबे की कहानी संघर्ष, धैर्य और वापसी की मिसाल है। आर्थिक तंगी और बढ़ते वजन के कारण उन्हें किशोरावस्था में क्रिकेट छोड़ना पड़ा था, लेकिन पांच साल बाद उन्होंने शानदार वापसी की। आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए दमदार प्रदर्शन और भारतीय टीम में लगातार प्रभावशाली खेल की बदौलत वह दो टी20 विश्व कप जीतने वाली टीम का अहम हिस्सा बने।

भारतीय क्रिकेट टीम के विस्फोटक ऑलराउंडर शिवम दुबे आज उन खिलाड़ियों में गिने जाते हैं, जिन पर टीम मुश्किल परिस्थितियों में भरोसा करती है। बड़े-बड़े छक्के लगाने की उनकी क्षमता और जरूरत पड़ने पर उपयोगी गेंदबाजी ने उन्हें सीमित ओवरों की टीम का अहम सदस्य बना दिया है। लेकिन यहां तक पहुंचने का उनका सफर बिल्कुल आसान नहीं रहा। 26 जून 1993 को मुंबई में जन्मे शिवम दुबे का परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के भदोही का रहने वाला है।

बचपन से ही क्रिकेट के प्रति उनका जुनून था और उन्होंने कम उम्र में ही इस खेल को अपना लक्ष्य बना लिया था। हालांकि, 14 साल की उम्र में उनकी जिंदगी ने ऐसा मोड़ लिया, जिसने उनके क्रिकेट करियर पर लगभग विराम लगा दिया। आर्थिक तंगी के कारण नियमित प्रशिक्षण और फिटनेस पर ध्यान देना मुश्किल हो गया। धीरे-धीरे उनका वजन काफी बढ़ गया और उन्हें क्रिकेट छोड़ना पड़ा। कई खिलाड़ियों के लिए ऐसी स्थिति करियर का अंत साबित होती है, लेकिन शिवम ने हार मानने के बजाय वापसी की तैयारी शुरू कर दी। करीब पांच साल तक क्रिकेट से दूर रहने के बाद शिवम दुबे ने जब वापसी की तो उनका लक्ष्य सिर्फ टीम में जगह बनाना नहीं, बल्कि खुद को साबित करना था। उन्होंने कड़ी मेहनत कर फिटनेस हासिल की और मुंबई की अंडर-23 टीम में जगह बनाई।

इसके बाद उनका करियर तेजी से आगे बढ़ा। जनवरी 2016 में उन्होंने मुंबई के लिए टी20 क्रिकेट में डेब्यू किया। 2017 में प्रथम श्रेणी और लिस्ट-ए क्रिकेट में भी डेब्यू किया। घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन ने उन्हें भारतीय क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद उभरते ऑलराउंडरों में शामिल कर दिया। शिवम दुबे को आईपीएल 2019 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मौका दिया, लेकिन उनके करियर में असली बदलाव 2022 में आया, जब वह चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े। महेंद्र सिंह धोनी की टीम में उन्हें अपनी भूमिका स्पष्ट मिली। मध्यक्रम में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने मैच फिनिश करने की कला विकसित की। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद शिवम दुबे को भारतीय टीम में लगातार मौके मिलने लगे।

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
– सम्पादक

**R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776
@gmail.com**

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300